दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

अल्फा का ट्रेलर जारी, अग्नि परीक्षा ...8

बलरामपुर
शुक्रवार , 19 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 258 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

राजभर के बाद अब संजय निषाद का दावा: एसपी–कांग्रेस के दो दर्जन सांसद एनडीए में आने को तैयार

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के अहम सहयोगी और निषाद पार्टी के नेता, यूपी के मंत्री संजय निषाद ने दावा किया है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कई विपक्षी नेता पाला बदलने के लिए सत्ताधारी गठबंधन के संपर्क में हैं। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विपक्षी नेताओं के पाला बदलने की खबरों पर बात करते हुए निषाद ने कहा कि जो लोग सरकार नहीं बना पाए, उन पर अब अपने वादे पूरे करने के लिए जनता का भारी दबाव है।

निषाद ने **ANI** को बताया कि लोग सरकार बनाने आए थे, लेकिन बना नहीं पाए। अब अगर वे सत्ता से बाहर रहते हैं, तो जनता उनसे सवाल करती है कि श्आपने हमसे वादे किए थे।श इसलिए, ज्यादातर सांसद और विधायक हमारे संपर्क में हैं और कह रहे हैं कि उन्हें किसी तरह दिल्ली ले जाया जाए और केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत कराई जाए। जब उनसे विपक्ष के कितने सांसद पाला बदलने की सोच रहे हैं, इस बारे में कोई ठोस संख्या बताने को कहा गया, तो निषाद ने एक अंदाजा देते हुए कहा कि मुझे लगता है कि आज की तारीख में ऐसे कम से कम दो दर्जन लोग हैं। इन नेताओं की पृष्ठभूमि के बारे में बताते हुए निषाद पार्टी के प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में कई लोग अभी भी हिंदुत्व की विचारधारा को मानते हैं। उन्होंने कहा कि खास विचारधारा वाले लोगों को छोड़कर, जो भी हिंदुत्व की विचारधारा को मानते हैं वे बीजेपी में शामिल होकर अपने समुदाय के लिए कुछ करना चाहते हैं। इसीलिए वे हमसे मिलते रहते हैं। बीजेपी के संपर्क में रहने वाले सांसदों के बेबुनियाद तौर पर पार्टी छोड़ने की खबरों पर समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव के बयान का जवाब देते हुए निषाद ने कहा कि हो सकता है कि पार्टी एकजुट रहना चाहती हो, लेकिन व्यक्तिगत सदस्य सरकार के साथ रहना चाहते हैं।

अखिलेश की बढ़ती लोकप्रियता से बीजेपी घबराई

सांसद अवधेश प्रसाद ने फूट के दावों पर किया पलटवार

लखनऊ। जब बीजेपी नेताओं ने समाजवादी पार्टी में बड़ी फूट की भविष्यवाणी की, तो पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने गुरुवार को बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी, एसपी प्रमुख अखिलेश यादव की बढ़ती लोकप्रियता से घबरा गई है और इसीलिए पार्टी छोड़ने के बारे में बेबुनियाद बयान दे रही है। यह बयान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के उस दावे के जवाब में आया है, जिसमें कहा गया था कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के कई सांसद

बीजेपी के संपर्क में हैं। प्रसाद ने कहा कि हालात यह है कि अखिलेश यादव की बढ़ती लोकप्रियता से बीजेपी घबरा गई है और घबराहट में बेबुनियाद बयान दे रही है... जनता का एसपी और अखिलेश यादव पर भरोसा और विश्वास बढ़ा है। यह ताजा बयानबाजी तब हुई है जब उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी फूट पड़ने वाली है। बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी में फूट की किसी भी संभावना को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी एकजुट है और उसके कार्यकर्ता बहादुर हैं।

आतंकवाद और ड्रग्स तस्करी पर भारत -अमेरिका की जीरो टॉलरेंस नीति

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमित शाह से मुलाकात पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। गृह मंत्रालय में हुई मुलाकात के दौरान भारत और अमेरिका आतंकवाद से निपटने, ड्रग्स तस्करी से निपटने, सीमाओं को सुरक्षित करने और दोनों देशों में अपराधियों को संयुक्त रूप से न्याय के कटघरे में लाने को लेकर सार्थक चर्चा हुई। सर्जियो गोर ने अमित शाह के साथ बैठक को शानदार बताया। वहीं अमित शाह ने दोनों देशों के लोगों को लाभान्वित करने वाले द्विपक्षीय रणनीति साझेदारी को मजबूत करने के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। इस साल जनवरी में राजदूत का कार्यभार संभालने के बाद सर्जियो गोर की अमित शाह से पहली मुलाकात थी।

ड्रग्स तस्करी को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अमित शाह के निर्देश पर भारत में पर अमेरिका स्थित ड्रग्स कार्टेल का भंडाफोड़ हुआ है और कई तस्करों को गिरफ्तार भी किया गया है। सर्जियो गोर के साथ मुलाकात के दौरान अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल के ध्वस्त करने के लिए और एजेंसियों के बीच और अधिक समन्वय पर जोर दिया गया। इसके साथ ही शाह ने आतंकवाद को लेकर भारत की चिंता को साझा किया। सर्जियो गोर ने भारत की चिंता को समझते हुए आंतकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने का भरोसा दिया। इसके साथ ही सर्जियो गोर के साथ बातचीत में भारत में वांछित कई आरोपियों के अमेरिका में रहने का मुद्दा भी उठा। शाह और गोर दोनों ने एक दूसरे देश में रह रहे अपराधियों को न्याय के कठघरे तक लाने में सहयोग को बढ़ाने की जरूरत बताई। ड्रग्स के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई हो रही है और कई बड़े ड्रग्स कार्टेल को ध्वस्त किया गया है। भारतीय एजेंसियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार

महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी अयोध्या

अखिलेश यादव ने चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर लिखा, 'अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी। यहीं भाजपाई राजनीति का आरंभ हुआ था, यहीं अंत भी होगा।' सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि चढ़ावे–चंदे–दान–शिला चोरी की घटना के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ा है। पावन सनातनी तीर्थ की शुचिता, जिन भाजपाइयों और उनके संगी–साथियों की वजह से कलुषित हुई है, वो अपना कारनामा करके सदैव की तरह

भूमिगत हो गए हैं। स्थानीय लोग मंदिर जाने से भी घबरा रहे हैं कि कहीं उनको ही जांच के नाम पर फंसा न दिया जाए। जांच कहां तक पहुंची, इसकी डेली ब्रीफिंग होनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार में हो रहे 'महा–भ्रष्टाचार' के कारण जनता का एसआईटी तक पर विश्वास नहीं है। मथुरा से भी आई धांधली की खबर गंभीर है, उसकी भी उच्च स्तरीय जांच हो। एक अन्य पोस्ट में सपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री के बयान, 'गाय का दूध पियेंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे', को लेकर लिखा, '14 दिन में छुट्टा पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाने का वादा करने वालों को जब यह बयान सुनाया जाएगा तो कहीं चुनाव से पहले ही इनका सफाया न हो जाए। ये अपनी बात का नहीं तो अपनों से बड़ों की बात का तो सम्मान करें, याद रहे दिल्ली की पर्ची सिर्फ किसी के बनाने के लिए नहीं आती है, वहां की पर्ची पर तो पूरी कैबिनेट बदल जाती है।' वहीं गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने सपा प्रमुख से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं।

महाराष्ट्र में अटका मानसून: देशभर में 41 प्रतिशत कम बारिश, क्या होगा असर?

नई दिल्ली। मानसून महाराष्ट्र के दक्षिणी हिस्सों में आकर अटक गया है, जिसके कारण देशभर में बारिश में 41 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार चार जून से 18 जून के बीच देशभर में सामान्य 72.2 एमएम के मुकाबले सिर्फ 42.6 एमएम बारिश हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा कि बड़े पैमाने पर अनुकूल मौसमी स्थितियां न होने के कारण मानसून पिछले कुछ दिनों में आगे नहीं बढ़ पाया है। मानसून के बढ़ने की गति धीमी होने के पांच मुख्य कारण बताए हैं। पहला कारण अरब सागर से आने वाली तूफानी लहरों की कमी है। इस तरह की लहर आम तौर पर नमी के ज़्यादा आने और बड़े पैमाने पर बारिश के लिए जिम्मेदार होती है, जिससे मानसून आगे बढ़ता है।

विरासत भी–विकास भी के 12 सालः पीएम मोदी बोले –

भारत की सांस्कृतिक विरासत को मिला नया जोश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विरासत भी, विकास भी अभियान के 12 साल पूरे होने पर कहा कि इस नीति के तहत भारत की सांस्कृतिक विरासत को नए जोश के साथ संरक्षित और आगे बढ़ाया जा रहा है। श्ग्श पर एक पोस्ट में प्रध ाानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्राचीन वस्तुओं की वापसी और आध्यात्मिक व तीर्थयात्रा से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसे कदमों से लोग देश की सदियों पुरानी परंपराओं से फिर से जुड़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को नए जोश के साथ संजोया, मनाया और आगे बढ़ाया जा रहा है। श्विरासत भी, विकास भीश के विजन से प्रेरित होकर, प्राचीन वस्तुओं की वापसी से लेकर आध्यात्मिक और तीर्थयात्रा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक के प्रयास लोगों को भारत की सदियों पुरानी परंपराओं से फिर से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के साथ–साथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी गुरुवार को श्विरासत भी, विकास भीश अभियान के 12 साल पूरे होने पर इसकी सराहना की। ग पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ–साथ विरासत के विजन ने भारत की आस्था, संस्कृति और इतिहास को एक नई पहचान दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में भारत ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। श्विकास भी, विरासत भीश के विजन ने हमारी आस्था, संस्कृति और इतिहास को एक नई पहचान दी है। प्राचीन ध रोहर स्थलों के संरक्षण, तीर्थ स्थलों के कायाकल्प और वैश्विक मंच पर भारतीय सभ्यता की गौरव–गाथा को बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं। शर्मा ने इस अभियान के तहत कई पहलों का जिक्र किया, जैसे अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण, केदारनाथ धाम का पुनर्विकास और न्छम्ब्द विश्व धरोहर स्थलों को वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत किया है। सीएम शर्मा ने कहा कि अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण से लेकर केदारनाथ धाम के पुनर्विकास, महाकुंभ के दिव्य और भव्य आयोजन और यूनेस्को विश्व ध रोहर स्थलों को वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान तक, भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है। यह दौर भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण, राष्ट्रीय आत्मविश्वास और विकसित भारत के संकल्प को सशक्त बनाने वाला रहा है।

अमित शाह का दावा, पीएम मोदी सरकार के 12 साल विकास-विरासत का स्वर्णिम संगम!

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम के रहे हैं। ग पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम का स्वर्णिम युग रहे हैं। इन 12 वर्षों में, एक ओर जहां श्री राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन महाकाल लोक का निर्माण हुआ, वहीं दूसरी ओर पीएम आवास, आयुष्मान भारत, अन्न भंडार, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और श्मेक इन इंडियाश जैसी योजनाओं और पहलों ने देश की विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार षविकास भी, विरासत भीष की थीम के तहत पिछले 12 वर्षों में की गई विभिन्न पहलों को उजागर कर रही है। सरकारी बयान के अनुसार, विरासत संरक्षण को व्यापक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, विकास और प्रचार–प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बयान में कहा गया है कि मुख्य पहलों में एक करोड़ रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन, 668 प्राचीन कलाकृतियों की वापसी, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम के 11 म्यूजियम बनाना और 11 भारतीय भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना शामिल है।

खीर भवानी मंदिर: उमर अब्दुल्ला ने की पूजा, कश्मीरी पंडितों को बेहतर व्यवस्थाओं का भरोसा

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को गांदरबल में खीर भवानी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने वहां पूजा–अर्चना की और आने वाले खीर भवानी मेले की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री, जो गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि भी हैं, ने 22 जून को होने वाले मेले से पहले श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 22 जून को खीर भवानी मेले का शुभ अवसर है। दुनिया भर से लोग यहां देवी के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए

आएंगे। यहां के विधायक होने के नाते, मैं यह देखने आया हूं कि व्यवस्थाएं कैसी हैं, क्या तैयारियां की जा रही हैं और क्या काम अभी बाकी है। मुख्यमंत्री ने मंदिर के पुजारियों और स्थानीय प्रशासन से बातचीत की ताकि व्यवस्थाओं में किसी भी कमी का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यहां पुजारियों से बातचीत के बाद मुझे पता चला है कि 2–3 चीजों की जरूरत है। हम 22 जून से पहले इन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार त्योहार के सुचारू आयोजन के लिए हर जरूरी मदद देगी। खीर भवानी मेला कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक ध ार्मिक त्योहार है। यह गांदरबल जिले के तुल्ला मुल्ला गांव में स्थित खीर भवानी मंदिर में आयोजित किया जाता है। यह मंदिर देवी दुर्गा के ही एक रूप, देवी रागन्या देवी को समर्पित है और इसे कश्मीरी हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है।

संजय राउत के अपशब्दों का जवाब देना सही नहीं: किरेन रिजिजू ने टाल दिया सीधा टकराव

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पार्टी में चल रहे संकट के बीच शिवसेना गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की अपमानजनक टिप्पणियों पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया देना उचित नहीं होगा। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि आप देख सकते हैं कि संसद में क्या होता है, मुझे अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं है। अगर हम संजय राउत की बातों का जवाब देते हैं, तो यह अच्छा नहीं लगेगा क्योंकि हर सांसद अपने चुनाव क्षेत्र के लिए अपने तरीके से सोचता और काम करता है।

उन्होंने कहा कि हर पार्टी के काम करने का अपना तरीका होता है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा कि किस शिवसेना सांसद को क्या करना चाहिए। हम संसद में लाए गए बिलों पर सभी सांसदों का सहयोग चाहते हैं... लेकिन अगर संजय राउत किसी को गाली देते हैं या किसी पर आरोप लगाते हैं, तो उन्हें जवाब देना सही नहीं होगा। इससे पहले गुरुवार को रिजिजू ने हज 2026 के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और घोषणा की कि भारत को इस तीर्थयात्रा के प्रबंधन के लिए दो पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा कि सब कुछ ध्यान में रखते हुए, हम कह सकते हैं कि हज 2026 अब तक का सबसे शानदार आयोजन रहा है। नतीजतन, भारत ने दो पुरस्कार जीते हैं। विदेश मंत्रालय ने मुझे ये पुरस्कार सौंपे हैं... मैं इसके लिए पूरी हज प्रबंधन टीम, अपने मंत्रालय के अधिकारियों, डम। टीम और अन्य अधिकारियों का धन्यवाद करता हूं। हज इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है और इसे उन मुसलमानों के लिए एक धार्मिक कर्तव्य माना जाता है जो शारीरिक और आर्थिक रूप से यह यात्रा करने में सक्षम हैं।

होश में आओ और असलियत समझो, जेडी वेंस ने नेतन्याहू को दिखाया आईनाय बोले– सबसे बड़ी समस्या ट्रंप नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक समझौता (डवन) लागू होने के बाद लेबनान में सैन्य कार्रवाई रोकने और कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटने को लेकर इजरायल पर दबाव बढ़ गया है। एमओयू में लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्धविराम तथा क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सम्मान की शर्त शामिल है। इसके बावजूद इजरायल ने गुरुवार को दक्षिणी लेबनान में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों का नया नक्शा जारी कर स्पष्ट संकेत दिया कि वह फिलहाल पीछे हटने को तैयार नहीं है। रॉयटर्स के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में अनिश्चितकाल तक तैनात रह सकती है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि जब तक इजरायल की सुरक्षा को जरूरत होगी, तब तक लेबनान में सेना रहेगी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उनके बयान पर नाराजगी जाहिर की है। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि इजरायली पीएम को वास्तविकता पहचानने की जरूरत है। उनके साथ जिस तरह की मेरी बात हुई थी, वैसा व्यवहार उनका नहीं दिख रहा। वेंस ने आगे कहा कि पिछले कुछ दिनों से इजरायल के जो मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप पर हमलावर हैं, उन्हें मैं बता दूं कि पिछले तीन महीने से जो हथियार आपकी मातृभूमि की सुरक्षा कर रहे थे, उनमें से दो तिहाई अमेरिकी हाथों द्वारा बनाए गए थे। इजरायल में यदि कोई ऐसा सोचता है कि उनकी सबसे बड़ी समस्या राष्ट्रपति ट्रंप हैं तो वह होश में आ जाए और हालात की असलियत को पहचाने।

मोटर साइकिल के धक्के से अधेड़ की मौत

जौनपुर। बक्सा थाना क्षेत्र के लखौवा बाजार में . सुबह एक सड़क हादसे में एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुबह लगभग 8 बजे एक तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रहे अधेड़ को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि अधेड़ गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान एवं दुर्घटना के संबंध में पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक से गिरे ड्राइवर ने अस्पताल में दम तोड़ा

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र में खड़ी ट्रक से अचेत होकर गिरे चालक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र के हुसैनपुर गांव निवासी 33 वर्षीय सुभाष पुत्र मंगरु बालू लदा ट्रक लेकर रामपुर क्षेत्र में आया था।ट्रक चालक बरसठी रोड पर अपनी ट्रक को किनारे लगाकर खड़ी करने के बाद नीचे उतर रहा था कि आचानक वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। चालक के अचेत होकर गिरने पर लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों की मदद से ट्रक चालक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया गया। चालक की हालत को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रक चालक की लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने चालक की मौत होने की जानकारी उसके परिजनों को दे दी है।

ष्शराब की दुकान के विरोध में महिलायें उतरी

जौनपुर। विकास खंड मुंगराबादशाहपुर के अमोध गांव में महिलाओं ने गांव में चल रही देशी शराब की दुकान के विरूद्ध मोर्चा खोल दिया है।उनका कहना है कि इससे गांव का विनाश हो रहा है।शराब की दुकान के अगल बगल स्कूल हैं।लोग शराब पीकर ऐसी हरकतें करते हैं कि इससे बच्चे स्कूल जाने से डरने लगे हैं। शराब की दुकान देर रात तक खुली रहती है। वैसे इन महिलाओं का विरोध कितना कारगर होगा यह तो नहीं पता लेकिन शराब की दुकान को बंद कराने की इन महिलाओं की पहल की प्रसंशा पूरे क्षेत्र में हो रही है।वास्तव में नशामुक्ति के लिए केवल स्कूली बच्चों द्वारा लोगों को जागरूक करने मात्र से नशाखोरी रुकने और घटने वाली नहीं है। इसके लिए समाज को खुलकर विरोध करने का समय अब आ गया है।

रास्ता पूछने के बहाने रोकी बाइक, तमंचे के बल पर मेडिकल संचालक को लूटा

सीतापुर। जिले में बेखौफ बदमाशों ने एक बार फिर पुलिस गश्त को चुनौती देते हुए मेडिकल संचालक को असलहे के बल पर लूट लिया। लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में देर रात तीन बदमाशों ने रास्ता पूछने के बहाने बाइक सवार युवक को रोककर उसकी बाइक, मोबाइल और नकदी लूट ली। तालगांव क्षेत्र के करस्यौरा निवासी साहिबे आलम आकैचनपुर टप्पा में मेडिकल स्टोर चलाते हैं।. रात दुकान बंद कर घर लौटते समय अकबरपुर स्थित शारदा सहायक नहर पुल के पास पहले से खड़े तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया। पीड़ित के अनुसार बाइक रुकते ही बदमाशों ने तमंचा तान दिया और जान से मारने की धमकी देकर मोबाइल, नकदी और बाइक छीन ली। वारदात के बाद आरोप से फरार हो गए। घटना से घबराए साहिबे आलम किसी तरह पैदल अकबरपुर चौराहे पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगा दी गई हैं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

पेड़ काटने के विवाद में मारपीट, युवती घायल

सीतापुर। अटरिया थाना क्षेत्र के बहादुरपुर मजरा कसावां गांव में पेड़ काटने को लेकर हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। घटना में एक युवती घायल हो गई। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। गांव निवासी निर्मला अवस्थी पत्नी अशोक अवस्थी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि हाल ही में आई आंधी में एक नीम का पेड़ गिर गया था। सुबह पेड़ काटने को लेकर कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विपक्षी पक्ष ने गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उनकी पुत्री के सिर में चोट लग गई। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए सूचना पर डायल 112 पुलिस गांव पहुंची और की जानकारी ली।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

फतेहपुर । राधानगर थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मनपुर के समीप सुबह चार पहिया वाहन की चपेट में आकर 35 वर्षीय बाइक सवार घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के सामियाना गांव निवासी दशरथ का पुत्र महेन्द्र सुबह बाइक से शहर किसी काम से आ रहा था। जब वह लक्ष्मनपुर के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पाकर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायल को उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

खड़े ट्रक से डीसीएम टकराई, चालक की मौत

फतेहपुर । मलवां थाना क्षेत्र के अल्लीपुर ओवरब्रिज में बीती रात रोड़ किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहा डीसीएम जा घुसा जिसमें 40 वर्षीय चालक की मौके में पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मिर्जापुर जनपद के देहात कोतवाली गांव समोहगरा निवासी शिवनाथ की पुत्र विजयकुमार डीसीएम चालक था। बताते हैं कि रात लगभग तीन बजे खाली डीसीएम लेकर जा रहा था। अल्लीपुर ओवरब्रिज किनारे खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम लेकर घुस गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना का पाकर घटनास्थल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

पुरानी रंजिश में दुकान में घुसकर तोड़फोड़, नकदी लूटने का भी आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उतरौला/बलरामपुर।रेहरा बाजार थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव में पुरानी रंजिश को लेकर खूनी खेल हुआ। गांव निवासी रामकुमार पुत्र रघुशीचंद ने पुलिस अधीक्षक बलरामपुर को प्रार्थना पत्र देकर गांव के ही दर्जन भर लोगों पर रात में दुकान में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ व नकदी लूटने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बेटी से छेड़खानी और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। आरोप है कि पुलिस ने हमलावरों की तहरीर पर पीडितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया जबकि यूपी 112 और गांव के चौकीदार की भी बात को दरकिनार कर दिया।रामकुमार ने बताया कि 6 जून की रात करीब 9 बजे वह अपनी दुकान पर बच्चों के साथ मौजूद था। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते विपक्षी रामसेवक पुत्र रामसुमेर, नीरज, सुरेश पुत्रगण रामसेवक, रामबहादुर, रामकुबेर व अनेक अज्ञात निवासी ग्राम डबरा रेहरा लाठी–डंडा, भाला, फरसा, कुल्हाड़ी आदि से लैस होकर आ धमके। प्रार्थना पत्र के अनुसार, पीड़ित उस समय दुकान पर ग्राहकों को सामान दे रहा था। विपक्षियों से बचने के लिए आवाज लगाई। शोर कर जब उसने बचाव का

प्रयास किया तो सभी आरोपी दुकान के अंदर घुस गए। लाठी–डंडों से हमला कर दुकान में तोड़फोड़ की और गल्ले में रखे लगभग चालीस हजार रुपये नकद उठा ले गये! आरोप है कि जाते समय विपक्षियों ने पीड़ित की पुत्री साधना को दुकान से खींचकर बाहर निकालने की कोशिश की। विरोध करने पर रामकुमार की बाल पकड़कर सड़क पर पटक दिया। पीड़ित ने 112 पर सूचना दी तो पुलिस के आने से पहले सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। रामकुमार का आरोप है कि थाने पर पहुंचने पर पुलिस ने उसकी नहीं सुनी और उल्टा उसके ही ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया। पुलिस ने कहा कि तुम अपने घर जाओ! जबकि प्रत्यक्षदर्शी और गांव के चौकीदार ने मामले की सत्यता भी पुलिस को बताई. पीड़ित ने जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़ित ने आठ जून को पुलिस अधीक्षक बलरामपुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, उचित मुआवजा व सुरक्षा की मांग की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष का कहना है कि पुलिस ने जिस पक्ष को चोटिल पाया उसकी तहरीर पर मुकदमा लिखकर घायल का मेडिकल कराया था ! लेकिन पुलिस के पास इस बात का जवाब नहीं है कि लगभग डेढ किलोमीटर दूर से दर्जन भर लोग लाठी डंडा, सरिया लेकर रात लगभग नौ बजे किस नीयत से पीडित की दुकान पर पहुंचे थे?

रुस्तमनगर निवासी ने डीजीपी को पत्र भेजकर लगाए गंभीर आरोप, जांच की मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उतरौला,बलरामपुर।कोतवाली उतरौला क्षेत्र के रुस्तमनगर में जमीन विवाद को लेकर पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में है। यहां के निवासी .ष्ण मुरारी पुत्र राजाराम साहू ने डीजीपी उत्तर को प्रार्थना पत्र भेजकर पुलिस पर जबरन सुलहनामा लिखवाने का आरोप लगाया है। .ष्ण मुरारी ने बताया कि उनके घर के बगल पुरानी आबादी की जमीन है, जिस पर पूर्वजों के जमाने से बेदी बनी हुई है। इसी बेदी पर वह पीढी दर पीढी मांगलिक व धार्मिक कार्यक्रम करते आ रहे हैं। आरोप है कि विपक्षी फजलुर्रहमान पुत्र कल्लू, अफसर अली, आबिद अली, शहजाद अली व आजाद अली उस जमीन पर कब्जा करने की नीयत रखते हैं। इसी जमीन को लेकर सिविल कोर्ट उतरौला में वाद भी दायर है। इसकी अगली सुनवाई 24 जुलाई को है। पीड़ित ने आठ जून को डीएम को प्रार्थना पत्र देकर विवादित जमीन पर ताजिया रखने से रोकने की मांग की थी। पुलिस ने दोनों पक्षों को पाबंद भी किया था ! इससे पूर्व 15 जून को उनके एक पुत्र का चालान कर एसडीएम कोर्ट में भी भेजा था! प्रार्थना पत्र के अनुसार, 16 जून को जब .ष्ण मुरारी अपने पक्ष के लोगों का मुचलका दाखिल कराने तहसील गए तो पुलिस ने उन्हें व उनके दो बेटों को तहसील से ही उठा लिया।आरोप है कि थाने में दबाव, धमकी व गाली–गलौज देकर विपक्षियों के हित में जबरन सुलहनामा लिखवा लिया गया। .ष्ण मुरारी का कहना है कि पुलिस के इस कदम से मुकदमे की स्थिति प्रभावित होगी और वह विपक्षियों की बदनीयती का शिकार हो रहे हैं। 17 जून को डीजीपी व मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में मांग की गई है कि मौके की जांच कराकर जबरन कराए गए सुलहनामे को निरस्त किया जाए। साथ ही विवादित भूमि पर ताजिया रखने से विपक्षियों को प्रतिबंधित किया जाए। इस मामले में कोतवाल अवधेश राज सिंह का कहना है कि पुलिस ने कोई सुलह नहीं करवाया है, गांव में तनाव की स्थिति को रोकने के लिए दोनों पक्षों को पाबंद किया है।

नीट–2026 की तैयारियों को लेकर डीएम व एसपी ने की समीक्षा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नीट परीक्षा–2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुगम आवाजाही, परीक्षा केंद्रों पर कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा नकलविहीन एवं पारदर्शी परीक्षा संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। संदिग्ध

व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या अवांछनीय गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के भी निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने को कहा, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके।बैठक में बताया गया कि जनपद में नीट–2026 के लिए कुल 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

बकरी बचाने के प्रयास में नहर में डूबे युवक की लगभग 40 घंटे बाद शव बरामद

कुशीनगर,। जनपद के पड़रौना कोतवाली थाना क्षेत्र के जंगल बनवीरपुर गांव निवासी 18 वर्षीय मेहताब का शव नहर में डूबने के करीब 40 घंटे बाद बरामद किया गया। बीते मेहताब सोमवार को बकरी को बचाने के प्रयास में बडी गंडक नहर में डूब गया था। घटना के बाद एसडीआरएफ की टीम ने लगातार दो दिनों तक नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। तीसरे दिन बुधवार सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार जंगल बनवीरपुर निवासी शाहिद अली का लडका मेहताब सोमवार 15 जून की दोपहर बकरी चराने के लिए सिधुआ–सुखपुरा रेगुलेटर के समीप मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के किनारे गया था। इसी दौरान एक बकरी नहर के तेज बहाव वाले हिस्से की ओर चली गई। बकरी को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास में मेहताब का पैर फिसल गया और गहरे पानी में चला गया। तेज बहाव के कारण वह कुछ ही पलों में लापता हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही पडरौना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर खोज अभियान शुरू कराया। सोमवार और मंगलवार को घंटों तक नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल सका। तीसरे बुधवार सुबह करीब 5 बजे जंगल सिसवा रेगुलेटर के पास ग्रामीणों ने मेहताब का शव पानी में तैरता हुआ देखा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मेहताब राजा तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

वह परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से एल्यूमीनियम दरवाजा बनाने का काम सीख रहा था। उसका बड़ा भाई अल्ताफ ड्राइवर का कार्य करता है, जबकि छोटा भाई आकिब राजा अभी पढ़ाई कर रहा है। मृतक के पिता शाहिद अली विदेश में रहकर मजदूरी करते हैं, जिनकी कमाई से पूरे परिवार का खर्च चलता है। बेटे की मौत की सूचना मिलने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

तुलसी पार्क विवाद में पुलिस का बड़ा एक्शन, मारपीट और धमकी के आरोप में 4 युवक गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र के तुलसी पार्क में हुए मारपीट और जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरतार कर लिया है। गिरतार आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया।पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर ज्योति श्री के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कोतवाली नगर पुलिस टीम ने मुकदमा संख्या 133/2026 से संबंधित चार आरोपियों को गिरतार किया।जानकारी के अनुसार, तुलसी पार्क निवासी जयन्त सिंह धर्मू ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने एक राय होकर उन्हें घेर लिया, गाली–गलौज की, मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।जांच के दौरान पुलिस ने मोहम्मद कैफ आलम खान उर्फ मनी, शमशेर रजा उर्फ शम्सीर रजा, मोहम्मद साहिद तथा राना वीर सिंह को गिरतार कर लिया। सभी आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति व्यवस्था भंग करने, मारपीट करने और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिजली विभाग में नौकरी की नीलामी? डेढ़-दो लाख दो और कम्प्यूटर ऑपरेटर बन जाओ?

---- न विज्ञापन, न मेरिट, न इंटरव्यू... फिर कैसे बंट गई बिजली विभाग की नौकरियां?।

कुशीनगर। बिजली विभाग की कम्प्यूटर ऑपरेटर भर्ती अब सवालों के घेरे में है। आरोप है कि यहां नौकरी योग्यता पर नहीं, बल्कि नोटों की गड्डियों के वजन से तय हुई है। जिले के बेरोजगार युवा विज्ञापन निकलने का इंतजार करते रह गए और आउटसोर्सिंग कम्पनी डेढ़ से दो लाख रुपये लेकर चुपके–चुपके नियुक्तियां बांट दी। न रिक्तियां सार्वजनिक हुईं, न चयन समिति बनी, न मेरिट सूची जारी हुई, लेकिन नौकरियां मिल गईं। अब सवाल यह है कि यह भर्ती प्रक्रिया थी या बेरोजगारों के सपनों की नीलामी?चर्चा है कि लाखों रुपये लेकर नियुक्तियां बांटी गईं और पूरी प्रक्रिया को इस तरह गोपनीय रखा गया कि जिले के हजारों बेरोजगार युवाओं को भनक तक नहीं लगी।यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच हो जाए तो भर्ती के नाम पर चल रहे इस बड़े खेल से पर्दा उठ सकता है। सूत्रों के अनुसार सिर्फ पडरौना विद्युत उपकेंद्र पर ही तकरीबन 17 कम्प्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति की गई है। आरोप है कि इन सभी नियुक्तियों के पीछे लाखों रुपये का खेल हुआ। आरोप के अनुसार यदि प्रत्येक अभ्यर्थी से डेढ़ से दो लाख रुपये तक लिए गए हैं तो सिर्फ एक उपकेंद्र पर ही करोड़ों नहीं तो लाखों रुपये की अवैध वसूली का अनुमान लगाया जा रहा है। और यह तो केवल एक बानगी बताई जा रही है। जिले के अन्य विद्युत उपकेंद्रों पर भी इसी तरह नियुक्तियां किए जाने की चर्चा है। मामले को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का कोई प्रमाण दिखाई नहीं दे रहा है। महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जिन युवाओं को नौकरी मिली, उनके चयन का आधार क्या था? मेरिट क्या थी? आवेदन कब लिए गए? चयन समिति में कौन–कौन लोग शामिल थे? और यदि कोई प्रक्रिया हुई तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? यह तमाम यक्ष प्रश्न है जिसका जबाब विभाग व आउटसोर्सिंग कम्पनी के पास है। जानकारों का कहना है कि किसी भी आउटसोर्सिंग कम्पनी द्वारा भर्ती करते समय निर्धारित दिशा–निर्देशों का पालन करना आवश्यक होता है। रिक्तियों का प्रकाशन, आवेदन आमंत्रित करना, पात्रता की जांच और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया अपनाना सामान्य नियम हैं। लेकिन यहां पूरा मामला पर्दे के पीछे निपटाए जाने की चर्चा है, जिससे भर्ती की निष्पक्षता पर गंभीर संदेह पैदा हो रहा है। कहना ना होगा कि बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं के लिए सरकारी विभागों से जुड़ी नौकरियां उम्मीद की किरण होती हैं। लेकिन यदि नौकरी का रास्ता योग्यता नहीं बल्कि पैसों से तय होने लगे तो यह व्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत है। सवाल यह भी है कि जिन युवाओं ने कथित तौर पर लाखों रुपये खर्च कर नौकरी हासिल की है, वे भविष्य में उस रकम की भरपाई किस तरह करेंगे? अब देखना दिलचस्प है। बिजली विभाग के उच्च अधिकारी और जिला प्रशासन नियम विरुद्ध नियुक्त के खिलाफ क्या कार्रवाई करते है। क्योंकि सवाल सिर्फ 17 नियुक्तियों का नहीं है, सवाल यह है कि क्या कुशीनगर में बिजली विभाग की नौकरियां अब योग्यता से नहीं, बल्कि 'बोली' लगाकर बांटी जा रही हैं?।

वसूली वारंट के अभियुक्त को लोटन पुलिस ने किया गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लोटन, सिद्धार्थनगर। वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरतारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली लोटन पुलिस ने न्यायालय से जारी वसूली वारंट का सफलतापूर्वक तामील कराते हुए एक अभियुक्त को गिरतार किया।पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान एवं थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान अशोक कुमार (31) पुत्र महेश निवासी ग्राम सैनुआ, थाना कोतवाली लोटन को गिरतार किया गया।पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरतार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

सांसद जगदंबिका पाल व विधायकों ने कृषि गोष्ठी एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला का किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुरुवार को जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2026, त्वरित मक्का गोष्ठी एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद जगदंबिका पाल, विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों का बुके भेंट कर स्वागत किया गया। सांसद जगदंबिका पाल ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उत्पादकता में वृद्धि के लिए वैज्ञानिक खेती आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा सिंचाई परियोजनाओं से लाखों किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कालानमक चावल के बढ़ते क्षेत्रफल और मखाना उत्पादन की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों को नई तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने का कार्य सरकार कर रही है। उन्होंने मृदा परीक्षण, नैनो उर्वरकों के उपयोग तथा फसल विविधीकरण पर बल दिया। साथ ही किसान सम्मान निधि, स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण की बात कही। विधायक विनय वर्मा ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि सरकार गुणवत्तापूर्ण बीज, उन्नत कृषि तकनीक और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह ने कहा कि कृषि केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि देश की आधारशिला है। उन्होंने किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि सरकार किसानों को समय से बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के साथ–साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए भी अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सांसद एवं विधायकों ने कृषि विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, नवजात बच्चों का अन्नप्राशन तथा टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरण भी किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने सभी अतिथियों, किसानों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पांडेय, कृषि वैज्ञानिकों सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

महीनों से खराब पड़े सरकारी हैंड पंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु। विकास खंड बर्डपुर भले ही दावा करें कि प्यारे हैंडपंप सही करवा दिए गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत उनके दावे की धज्जियां उड़ा रही है। इन हैंडपम्पो के सूख जाने से पानी को तरस रहे है।ग्रामीण वा बच्चे, ब्लाक के ग्राम पंचायत भरवलिया क्षेत्र के सरकारी हैंडपंपों की है जो महीनों से कबाड़ में तब्दील हो चुका है। किसी का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह गायब है, किसी का प्लेट टूटा है किसी का चबूतरा टूटा पड़ा है और हैंडपम्प से एक बूंद पानी नहीं निकल रहा। भीषण गर्मी में जब पारा 42 डिग्री पार है, तब ये हैंडपंप सिर्फ शोपीस बने हुए है।चारों तरफ फैली गंदगी और सूखी जमीन बता रही है कि यहां पानी की एक–एक बूंद के लिए लोग तरस रहे हैं। पंप मरम्मत के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल हो रहा है। जिसकी शिकायत भरवलिया निवासी इन्द्रदेव पाण्डेय ने मुख्यमंत्री से आना लाइन शिकायत भी किया है।

शुभम खाद भंडार के निरीक्षण में मिली अनियमितता, नोटिस जारी करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने गुरुवार को शुभम खाद भंडार, सनई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर की जांच की। जांच में पाया गया कि दुकान का बोर्ड एवं रेट सूची बोर्ड बाहर नहीं लगाया गया था। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उर्वरक की बिक्री निर्धारित दर पर की जाए तथा किसी भी प्रकार की टैगिंग न की जाए। उन्होंने कहा कि ओवररेटिंग एवं टैगिंग की शिकायत उनके मोबाइल नंबर 9454417530 तथा जिला कृषि अधिकारी के मोबाइल नंबर 7839882270 पर की जा सकती है।

मांगो को लेकर पंचायत सहायकों ने विधायक विनय वर्मा को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पंचायत सहायकों ने विभिन्न मांगों एवं उसके समाधान को लेकर संगठन के बैनर तले शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा को संबोधित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने मानदेय वृद्धि, सेवा स्थायीकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित पांच प्रमुख मांगों पर शासन स्तर से कार्रवाई कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं के संचालन, अभिलेखों के संधारण, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभिन्न विभागों के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र लगभग 200 रुपये प्रतिदिन (करीब 6 हजार रुपये प्रतिमाह) मानदेय मिल रहा है। संघ ने पंचायत सहायकों को अर्द्धकुशल श्रमिक की श्रेणी में शामिल करते हुए 26,900 रुपये प्रतिमाह मानदेय देने की मांग की।इसके अलावा पंचायत सहायकों की सेवाओं को स्थायी करने, महिला पंचायत सहायकों के लिए स्थानांतरण नीति लागू करने, ग्राम पंचायतों के नगर पंचायत में विलय की स्थिति में संबंधित विकास खंड कार्यालय में संबद्ध करने तथा पंचायत सहायकों एवं उनके आश्रित परिवारों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि मांगों के पूरा होने से पंचायत सहायकों का मनोबल बढ़ेगा और वे ग्रामीण विकास, डिजिटल इंडिया एवं विकसित भारत के संकल्प को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकेंगे। तो वहीं विधायक विनय वर्मा ने ज्ञापन लेकर कार्यवाही का आश्वासन दिया, कि आपकी बात सक्षम अधिकारियों एवं शासन स्तर पर भेजी जाएंगी। इस दौरान संगठन जिलाध्यक्ष गोबिंद कुमार वर्मा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष जीवन सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष अमरदीप कुमार, जिला कोषाध्यक्ष वैभव शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष दीपक शर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष रामनयन, ब्लॉक मीडिया प्रभारी राहुल, ब्लॉक महामंत्री दीपेंद्र प्रताप मौर्य, ब्लॉक सचिव जयकुमार, ब्लॉक संगठन मंत्री नेहा शर्मा तथा ब्लॉक कोषाध्यक्ष वंदना सहित पंचायत सहायक संघ के कई पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

बानगंगा नदी से अज्ञात युवक का शव बरामद, पहचान में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र स्थित बानगंगा नदी से एक अज्ञात युवक का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाकर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन देर शाम तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को बानगंगा बैराज के समीप टहल रहे लोगों ने नदी से जुड़ी नहर में एक युवक का शव उतराता देखा। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार शाम करीब पांच बजे नदी में किसी के कूदने जैसी आवाज सुनाई दी थी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि सिंचाई विभाग द्वारा खेतों की सिंचाई के लिए नदी का फाटक बंद कर नहर का फाटक खोला गया था। आशंका जताई जा रही है कि नदी में डूबा युवक पानी के बहाव के साथ नहर में पहुंच गया होगा। थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि बरामद शव एक अज्ञात युवक का है, जिसने काले रंग की टी–शर्ट पहन रखी थी। प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि

युवक की मृत्यु काफी समय पहले डूबने से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस युवक की पहचान कराने और मामले की जांच में जुटी हुई है।

भारतीय मजदूर संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

सिद्धार्थनगर। भारतीय मजदूर संघ, सिद्धार्थनगर की जिला इकाई द्वारा आज स्थानीय जिलाधिकारी कार्यालय में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के जिला महामंत्री आशुतोष यादव, जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर सिंह, जिला संयुक्त मंत्री सुरेंद्र पाल, जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय पांडे सहित संगठन के सक्रिय सदस्य मनोज गौतम, मनोज चौधरी, रतनलाल और राहुल यादव उपस्थित रहे। ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उनकी मांगें जनहित और कर्मचारी हित से जुड़ी हैं, जिन पर सरकार को सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम की झलक।

भीषण गर्मी में नगर पंचायत का राहत अभियान, लगाए गए शीतल जल स्टॉल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर ।भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए नगर पंचायत शोहरतगढ़ की ओर से नगर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर निरूशुल्क शीतल जल एवं शरबत वितरण स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों पर राहगीरों, यात्रियों और आम नागरिकों को ठंडा पेयजल तथा शरबत उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सके ।नगर पंचायत कर्मी स्टॉलों पर पहुंचने वाले लोगों को निरूशुल्क शीतल जल एवं शरबत वितरित करते नजर आए। इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने सराहनीय बताते हुए नगर पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने बताया कि लगातार बढ़ रही गर्मी और तपन को देखते हुए नगर पंचायत द्वारा यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में राहगीरों और आमजन को राहत पहुंचाना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से नगर के विभिन्न स्थानों पर निरूशुल्क शीतल जल स्टॉल संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत भविष्य में भी जनहित से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता देती रहेगी, ताकि नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें ।इस दौरान प्रमुख रूप से दुर्गेश अग्रहरि, शनि कन्नौजिया, गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे।

बाल श्रम के विरुद्ध विशेष अभियान, 5 किशोर श्रमिक चिन्हित, 4 सेवायोजकों को नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्टेट एक्शन मंथ के अंतर्गत गुरुवार को जिला मुख्यालय क्षेत्र में बाल श्रम के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लुम्बिनी रोड एवं बेलहिया चौराहे पर किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन कर संबंधित सेवायोजकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई। इसके अलावा दुकानदारों को बाल श्रम मुक्त प्रतिष्ठान बनाने के लिये जगरुक कर दुकानों पर बाल श्रम मुक्त प्रतिस्तान के स्टीकर भी चस्पा किये गए। सहायक श्रम आयुक्त ओम प्रकाश ने बताया कि लुम्बिनी रोड नौगढ़ एवं उसका रोड बेलहिया चौराहे पर विशेष अभियान चलाकर 4 दुकानों से 5 किशोर श्रमिको का चिन्हांकन किया गया। उन्होंने बताया कि चारों सेवायोजकों को नोटिस जारी करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सहायक श्रम आयुक्त ने बताया कि जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाएंगे। अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेंद्र कुमार, चाइल्डलाइन कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार उपाध्याय, अभिनव द्विवेदी एवं जय प्रकाश गुप्ता उपस्थित रहे।

खेसरहा थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। खेसरहा। मिशन शक्ति फेज–5. 0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के ग्राम पगारे में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और अपराध होने की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में जागरूक किया। चौपाल के दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी लगाए गए तथा महिलाओं को बताया गया कि वे थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र और साइबर सेल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं ।सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, लेकिन किसी ने कोई शिकायत नहीं बताई। पुलिस टीम ने 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक चंद्रिका प्रसाद, आरक्षी अरुण पाण्डेय, महिला आरक्षी गुंजन सेन एवं महिला आरक्षी बिनीता सिंह मौजूद रहीं।

सम्पादकीय

जब तक देश में तमाम फार्मेसियों की नियमित जांच नहीं होती, कानून का उल्लंघन करने पर कड़े दंड का प्रावधान नहीं होता, तब नये नियम–कानून महज अच्छे इरादे वाले निर्देश मात्र बनकर रह जाएंगे। ऐसे में इस प्रयास का जमीनी असर बेहद कम ही रह पायेगा। वास्तव में देश में दवा उत्पादक इकाइयों की नियमित निगरानी, राज्यों में सशक्त ड्रग–कंट्रोल अथश्वरिटी, नियमित ...

क्वालिटी कंट्रोल हेतु जरूरी डॉक्टर की पर्ची

भारत में छोटे–मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम–हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी–जुकाम आदि छोटे–मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान–रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे–बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए। लेकिन सवाल सिर्फ कफ सिरप का ही नहीं है। आम भारतीयों की आदत में शुमार है कि लोग अक्सर खांसी–बुखार की दवाइयां यह जाने बगैर सेवन करते हैं कि उनमें क्या–क्या मिला है। यह भी कि इनके उपयोग से हमारे शरीर में क्या–क्या साइड–इफेक्ट हो सकते हैं। यह भी जानने की कोशिश नहीं होती है कि इन सिरप आदि को अन्य दवाओं के साथ लेने से क्या–क्या नकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे शरीर में हो सकती है। बहरहाल, अब जब सरकार ने तय कर दिया है कि अनुभवी डॉक्टर की सलाह से ही सिरप आदि खरीदे जा सकते हैं तो मरीजों के तिमारदार तय कर सकेंगे कि किस कंपनी की गुणघ्वत्ता वाली दवा खरीदनी है। जिससे न केवल इलाज सही हो सकेगा बल्कि यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि मरीज के शरीर में कोई अन्य बीमारी छूट न जाए। लेकिन हकीकत यह भी है कि सिर्फ कठोर कानून बनाने मात्र से ही बेहतर परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते हैं। भारत में पहले से ही दवाइयों की बिक्री के नियमन से जुड़े कानूनों की कमी नहीं है। इसके बावजूद डॉक्टर की पर्ची पर ही उपलब्ध होने वाली दवाइयां अक्सर बिना पर्याप्त जांच–पड़ताल के ही आसानी से मेडिकल स्टोरों में मिल जाया करती हैं। दरअसल, असली चुनौती कानून का अनुपालन सख्ती से करने की होती है। जब तक देश में तमाम फार्मेसियों की नियमित जांच नहीं होती, कानून का उल्लंघन करने पर कड़े दंड का प्रावधान नहीं होता, तब नये नियम–कानून महज अच्छे इरादे वाले निर्देश मात्र बनकर रह जाएंगे। ऐसे में इस प्रयास का जमीनी असर बेहद कम ही रह पायेगा। वास्तव में देश में दवा उत्पादक इकाइयों की नियमित निगरानी, राज्यों में सशक्त ड्रग–कंट्रोल अथॉरिटी, नियमित गुणवत्ता जांच के अलावा जन चेतना अभियान चलाने की सख्त जरूरत है। लोगों को बिना डॉक्टर के परामर्श के दवा लेने के खतरों से अवगत कराना होगा। निस्संदेह, सरकार द्वारा चिकित्सक के परामर्श पर ही सिरप आदि की उपलब्धता से जुड़े नियम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि हम किस सीमा तक एक जवाबदेह सिस्टम बना पाते हैं।

सिनेमा घर तो आया मगर उत्सव पीछे छूटा

अब फिल्म देखने से पहले दिल नहीं धड़कता कि टिकट मिलेगी या नहीं। अब इंटरवल में पूरा हॉल एक साथ नहीं हंसता। अब किसी हीरो की एंट्री पर किलकी, सीटियां और तालियां कम सुनाई देती हैं। आज सिनेमा घर में आ गया है लेकिन मजा रास्ते में कहीं छूट गया है। ये वे दिन थे जब टिकट की खिड़की पर ऐसा धक्का–मुक्की का माहौल होता था कि कोई कहता– अरै भाई टिकट लेण आया सै अक पहलवान्नी का ट्रायल देण? सिनेमा हॉल के बाहर लगी लंबी कतारें, पोस्टरों के सामने खड़े लोग, और सबसे बड़ा रोमांच– टिकट की खिड़की! वह टिकट खिड़की भी कोई खिड़की नहीं थी। मुश्किल से चार–चार इंच का एक सुराख। उस छोटे से सुराख में न जाने कितने सपने, कितनी उम्मीदें और कितने हाथ एक साथ घुस जाते थे। हर हाथ में पांच–दस के मुड़े–तुड़े नोट और एक ही पुकार भाई, दो टिकट इधर!, बॉक्स की पांच देना!, चार बालकनी दे दो! एक टिकट बची है क्या? जिसे टिकट मिल जाती फिर वह सीट मिलते ही रूमाल रख देता था जैसे खेत में खूंटा गाड़ दिया हो। उस खिड़की तक पहुंचना एवरेस्ट फतह करने जैसा था। लाइन में लगकर भी टिकट मिल जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। कई बार घंटों खड़े रहने के बाद जवाब मिलता– हाउसफुल!

उन दिनों घर में यदि कोई बटेऊ आ जाए या कोई खास मेहमान आ जाए तो उसकी खातिरदारी का सबसे शानदार तरीका था कि उसे फिल्म दिखाने ले जाओ। अब फिल्म देखने से पहले दिल नहीं धड़कता कि टिकट मिलेगी या नहीं। अब इंटरवल में पूरा हॉल एक साथ नहीं हंसता। अब किसी हीरो की एंट्री पर किलकी, सीटियां और तालियां कम सुनाई देती हैं। इंटरवल भी किसी मेले से कम नहीं होता था। समोसे, कोल्ड ड्रिंक, मूंगफली और दोस्तों के साथ चुहलबाजियां। पहले पंखा चलता था तो पूरा हॉल खुशी–खुशी फिल्म देखता और आज ए.सी. दो मिनट बंद हो जाये तो लोग यूं बाहर निकलते हैं जैसे फिल्म नहीं भट्ठी में बैठे हों। फिल्मी दीवानों का तो कहना ही क्या! ऐसे लोग भी थे जो एक ही फिल्म दस–बीस बार देख लेते थे। फिल्म के संवाद उन्हें कंठस्थ होते थे। गाने जुबान पर रहते थे। हेयर स्टाइल और कमीज का कॉलर व पैंट की मोरी भी हीरो जैसी करने की होड़ थी। आजकल तो लोग अपनी शादी की वीडियो दोबारा नहीं देखते। वे दिन सचमुच कमाल के थे। अब हम सिनेमा को घर तो ले आए लेकिन शायद उसका उत्सव पीछे छोड़ आए क्योंकि फिल्में केवल देखी नहीं जातीं, जी भी जाती थीं। और हमने सिनेमा को जिया है। एक बर की बात है अक रामप्यारी अपणे घरआले पै भड़ास काढते होये बोल्ली– मन्नै सब बेरा सै अक काल पड़ोसण गैल फिलम देखकै आया सै। नत्थू भोला सा मुंह बणाकै बोल्या– के बताऊं बावली! आजकल फैमिली गैल देखण जोग्गी फिलम बणैं ए कोणी।

न्याय के तराजू पर मशीनों की लाचारी

मशीनों पर आंख मूंदकर विश्वास करना न्याय की मूल भावना के लिए खतरनाक है। हालांकि तकनीक जांच में एक उपयोगी 'सहायक' हो सकती है, लेकिन मशीनें मानवीय संवेदनाओं और जटिल परिस्थितियों को समझने में अक्षम हैं, इसलिए उन्हें 'अंतिम निर्णायक' नहीं माना जाना चाहिए। न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फश्रेंसिक मनोविज्ञान और 'व्यवहार विश्लेषण' पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता ...

न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फॉरेंसिक मनोविज्ञान और 'व्यवहार विश्लेषण' पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। जब जांच में मशीनी डेटा के साथ अनुभवी मनोवैज्ञानिक का विवेक जुड़ता है, तभी परिणाम अधिक विश्वसनीय, तर्कसंगत और मानवीय होते हैं। हाल ही में चर्चित हस्तियों और मीडिया जगत में 'नार्को टेस्ट' की मांग को लेकर छिड़ी बहस ने तकनीक की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। रौशन आनंद द्वारा खान सर (उर्फ फैजल खान) के संदर्भ में की गई नार्को टेस्ट की मांग, जन–मानस के उस भ्रम को दर्शाती है कि तकनीक ही अपराध का अंतिम समाधान है। लेकिन, न्याय के तराजू पर क्या मशीनें वास्तव में मानवीय सत्य को तोलने में सक्षम हैं? हाल के वर्षों में निचली अदालतों ने हाई–प्रोफाइल मामलों में पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति देने में अत्यधिक सावधानी बरती है, जिसमें 'श्रद्धा वाकर हत्याकांड' भी चर्चा का विषय रहा। कानूनी जानकारों और अदालतों का स्पष्ट मत है कि पॉलीग्राफ से प्राप्त मशीनी डेटा 'साक्ष्य' नहीं, बल्कि केवल जांच को दिशा देने वाली 'सहायक सामग्री' है। भारत के 'आरुषि तलवार हत्याकांड' ने यह सिद्ध किया कि ऐसे परीक्षण वैज्ञानिक रूप से निर्णायक नहीं होते और इनके विरोधाभासी परिणाम जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं। सच कड़वा होता है, लेकिन झूठ का नकाब ओढ़ना आसान है। अक्सर 'पॉलीग्राफ' को झूठ पकड़ने का अचूक हथियार माना जाता है, जबकि कानून और मनोविज्ञान के नजरिए से यह अत्यंत विवादास्पद है। मनोविज्ञान के अनुसार

झूठ पकड़ना विज्ञान नहीं बल्कि एक कला हैय फिल्मों में पसीना आना या नजरें चुराना झूठ की निशानी माना जाता है, पर असल जीवन में यह घातक हो सकता है। मनोविज्ञान में इसे 'ओथेलो एरर' कहा जाता है– जहां एक निर्दोष व्यक्ति का स्वाभाविक डर, पसीना आना या घबराहट जांचकर्ताओं को 'झूठ' का प्रमाण प्रतीत होता है। याद रहे, मशीनें केवल शारीरिक तनाव को मापती हैं मानवीय संवेदनाओंया सत्य को नहीं। 'कॉग्निटिव लोड' की पहचान केवल एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ का काम है, किसी जादुई मशीन का नहीं। ठीक यही स्थिति पूछताछ के दौरान होती हैय एक निर्दोष व्यक्ति भी पुलिस के माहौल, पूछताछ के दबाव या अपनी प्रतिष्ठा खोने के डर से घबरा सकता है, पसीना छोड़ सकता है या उसकी हृदय गति बढ़ सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्ड्रिच एम्स (सीआईए अधिकारी एवं सोवियत जासूस) और 'बीटीके किलर' (डेनिस राडर) जैसे मामले यह स्पष्ट करते हैं कि पॉलीग्राफ परीक्षण पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। एल्ड्रिच एम्स जैसे जासूसों ने तनाव नियंत्रित कर पॉलीग्राफ को वर्षों तक छला, जबकि बीटीके किलर जैसे अपराधियों को डीएनए और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे ठोस साक्ष्यों ने ही बेनकाब किया। स्पष्ट है कि पॉलीग्राफ केवल एक 'संभावना' जता सकता है, निश्चितता नहीं। प्रशिक्षित अपराधी अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर काबू पाकर इन मशीनों को आसानी से विफल कर सकते हैं अतः ये तकनीकें कभी भी सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हो सकतीं। सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पॉलीग्राफ, नार्को–एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग जैसे परीक्षण व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते। कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत प्राप्त 'आत्म–दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार' का उल्लंघन माना है। इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने या खुद को दोषी ठहराने वाले बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कानूनन इन परीक्षणों के परिणाम सीधे 'साक्ष्य' नहीं माने जा सकतेय इन्हें केवल जांच में दिशा देने वाले एक 'सुराग' के रूप में ही इस्तेमाल किया जा सकता हैय विशेषकर डिजिटल युग में, जहां व्यक्तिगत डेटा और मस्तिष्क की निजता पर बड़ा संकट है, नार्को–एनालिसिस जैसे परीक्षणों को विज्ञान की आड़ में अनैतिक प्रयोग बनने से रोकना, न्यायपालिका की सर्वोपरि जिम्मेदारी है। कनाडा के सुप्रीम कोर्ट ने इसे भ्रमित करने वाला मानकर खारिज किया है, तो इज्राइल में इसे दीवानी मामलों में अमान्य करार दिया गया है। यूरोप में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है, जबकि अमेरिका और जापान जैसे देशों में इसकी भूमिका बेहद सीमित है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इन परीक्षणों में वैधता का अभाव है, जिसके कारण इन्हें अक्सर 'छद्म विज्ञान' की श्रेणी में रखा जाता है। पॉलीग्राफ मशीनों की बड़ी सीमा यह है कि वे 'सच' नहीं, केवल हृदय गति जैसे 'शारीरिक तनाव' को मापती हैं, जिसका कारण घबराहट या पुरानी यादें भी हो सकती हैं। यह एक 'फॉल्ट डिटेक्टर' है, न कि 'ट्रुथ डिटेक्टर', क्योंकि प्रशिक्षित अपराधी आसानी से अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर इसे विफल कर सकते हैं। अतः वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टि से ये मशीनें सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हैंय इसके विपरीत, एक अनुभवी विशेषज्ञ ही अपराधी के उन सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक संकेतों और व्यावहारिक बारीकियों को पकड़ सकता है, जिन्हें छिपाना लगभग असंभव होता है।

{ उनकी बात को फिर से दोहराते हुए: 'जब मैं ओलंपिक्स से लौटी, तो मैं परिवार के साथ नहीं रहना चाहती थी। फिर हमारी जिंदगी में क्रिधव (बेटा) आया. .. अगर मैं प्रशिक्षण ले रही हूं, तो उसके लिए कर रही हूं। जब वह बड़ा होगा, तो मुझसे क्या सीखेगा... यही बात मुझे प्रेरित करती है... जब वह 5 साल का होगा, तब भी मैं कुश्ती के रिंग में होना चाहूंगी.. अगर वह मुझे कुश्ती लड़ते हुए ... }

अब फिर रूस पर शिकंजा कसने की तैयारी

ईरान युद्ध के समय ट्रंप जी–7 के सदस्यों को भरोसे में लेने में नाकाम रहे थे। फ्रांस की बैठक भी लीपापोती ही है। ईरान से छूटे, तो ट्रम्प अपने देश और दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर दोबारा शिफ्ट करना चाहते हैं। ईरान से युद्ध में पूरी दुनिया को कितना आर्थिक नुकसान हुआ? यह सवाल जी–7 में आये किसी नेता ने नहीं उठाया, सबके सब ट्रम्प की जी–हुजूरी में लगे रहे। जी–7 (ग्रुप ऑफ सेवन) नेताओं का शिखर सम्मेलन आखिकार समाप्त हो गया। जी–7 के मंच पर उभयपक्षीय बातचीत के दौरान मोदी ने ट्रंप से कहा, 'भारतीय नाविकों की सुरक्षा जरूरी है।' मोदी ने यह भी कहा, कि उन्हें खुशी है भारतीय और अमेरिकी टीमें लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। मोदी ने 'अमेरिका के साथ संबंधों में नई गति और ऊर्जा' पर जोर दिया। फ्रेंच आल्प्स के एवियन–लेस–बेन्स में होटल रॉयल में, जहां जी–7 समिट के लिए जर्मनी, कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, इटली, जापान, यूके और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि इकट्ठा हुए थे, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार–बार सभी से कहा कि ईरान के साथ उनकी 'डील' 'जबरदस्त' थी। दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समूह में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। जी–7 में यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व है। बुधवार सुबह जारी एक बयान में, जी–7के नेताओं ने रूसी

अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने का संकल्प लिया। नेताओं के बयान में कहा गया, 'इस नई गति को समर्थन देने और तेज करने के लिए, हम एयर डिफेंस क्षमताएं, इंटरसेप्टर तथा लंबी दूरी की युद्धक क्षमताएं उपलब्ध कराने को बढ़ाने पर सहमत हैं। हम अपने प्रतिबंधों को और मजबूत करेंगे, जिसमें तेल और गैस सेक्टर पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं।' यह बयान उस सकारात्मक माहौल को दर्शाता है जो मंगलवार को तब बना था जब जी–7 नेताओं ने अपने पहले आधिकारिक एजेंडे की शुरुआत करते हुए बैठक में सबसे पहले यूक्रेन पर चर्चा की थी। इस साल की बैठक के मेजबान इमैनुएल मैक्रों ने शिखर सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को आमंत्रित करके यह स्पष्ट कर दिया था कि यूक्रेन जी–7 के एजेंडे में सबसे ऊपर है। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ चल रहे तनाव में उलझा हुआ था। लेकिन उससे पहले ही, उनके प्रशासन ने यूक्रेन की मदद करने की जिम्मेदारी यूरोपीय सहयोगियों पर छोड़ दी थी, और ईयू ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। 27 सदस्यीय ईयू यूक्रेन को सबसे ज़्यादा आर्थिक मदद देने वाला संगठन बन चुका है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान तेल की कीमतें कम करने के लिए रूस पर जो प्रतिबंध हटाए गए थे, उन्हें फिर से लागू किया जा सकता है, क्योंकि अब होर्मुज जलडमरूमध्य से ज़्यादा तेल की आवाजाही हो रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि 'रूस को यूक्रेन के खिल्लाफ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करना चाहिए' और साथ ही कहा कि वह 'जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे।' यह उन यूरोपीय नेताओं के लिए अच्छी खबर थी जो यूक्रेन को समर्थन देने से जुड़े सवालों का सामना करने के लिए पूरी तैयारी के साथ आए थे। अमेरिकी प्रेस में लीक हुई कुछ जानकारियों से पता चलता है कि अमेरिका ईरानी तेल पर लगी पाबंदियां हटाने के लिए तैयार हो सकता है, जिससे ईरान को अपने फंड फिर से भरने का मौका मिलेगा। इसके बदले में ईरान को बस यह वादा करना होगा कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुद्दा जल्द ही 'पीछे छूट जाएगा', लेकिन अभी के लिए वह 'ईरान पर ध्यान केंद्रित' किए हुए हैं। जानकारों का कहना है कि रूस अब थकने लगा है। यूक्रेन की ड्रोन युद्ध क्षमता जैसे कि लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च करने की उसकी काबिलियत, जिसका इस्तेमाल उसने इस महीने की शुरुआत में सेंट पीटर्सबर्ग में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के लिए किया थादृ एक बड़ी वजह है जिसने उसे रूस द्वारा हासिल की गई बढ़त को पलटने में मदद की है। हालांकि, समिट से ठीक पहले, ट्रंप ने मीडिया और सोशल नेटवर्क दोनों पर जी–7 नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की हिम्मत पर सवाल उठाए और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज को सार्वजनिक रूप से सलाह दी कि वे अमेरिका की आलोचना करने के बजाय 'अपने बिखरते हुए देश पर ध्यान दें'। उन्होंने यह भी धमकी दी थी कि अगर पेरिस, गूगल, एप्पल और अमेजन जैसी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर अपना डिजिटल टैक्स नहीं हटाता है, तो वे फ्रांसीसी वाइन और शैंपेन पर 100 फीसद टैरिफ लगा देंगे। पेरिस अपनी बात पर अड़े रहते हुए कैसे अपनी 'इज्जत बचाएगा', यह अभी साफ नहीं है। यह भी उम्मीद है कि ट्रंप अपने सहयोगियों पर ईरान के साथ भविष्य के समझौते से जुड़े खर्चों को बांटने के लिए दबाव डालेंगे। भारी कर्ज में डूबे देशों से ऐसा करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यह भी उतना ही अनिश्चित है। अगस्त, 2025 में अलास्का के एंकरेज में ट्रंप ने रूसी नेता के लिए जो रेड कार्पेट बिछाया था, उसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब अमेरिकी राष्ट्रपति को आखिरकार अपने यूरोपीय सहयोगियों की उस सलाह पर ध्यान देना चाहिए जिसे वे लगातार दोहराते रहे हैं। उनका हमेशा से यही कहना रहा है कि ताकत का प्रदर्शन ही व्लादिमीर पुतिन को इस विनाशकारी और आक्रामक युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर कर सकता हैदृ एक ऐसा युद्ध जो अब प्रथम विश्व युद्ध से भी ज़्यादा समय तक खिंच चुका है।

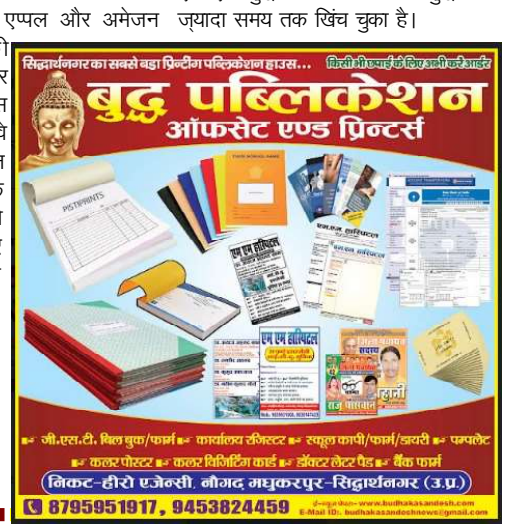

टीम इंडिया में एंट्री पर बोले गुरनूर बराड़– घरेलू क्रिकेट ढांचे के कारण इंटरनेशनल मैच में नहीं हुआ कोई दबाव

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम की जीत के साथ–साथ युवा खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन सुर्खियों में बना हुआ है। लखनऊ वनडे में मिली 170 रनों की बड़ी जीत के बाद, पंजाब के 20 वर्षीय उभरते हुए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शुरुआती सफर और शानदार फॉर्म को लेकर पत्रकारों से खुलकर बात की। 6 फीट 5 इंच लंबे इस युवा पेसर ने अपनी रफ्तार, सटीक नियंत्रण और तीखी शॉर्ट–पिच गेंदों से अफगान बल्लेबाजों को खासा परेशान किया है। वर्तमान सीरीज के दोनों मैचों को मिलाकर बराड़ ने अब तक 15.5 ओवरों में 6 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए हैं।

पंजाब के इस तेज गेंदबाज ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी पहली वनडे श्रृंखला में अपनी गति और नियंत्रण से सबको प्रभावित किया है। बराड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की 170 रन से जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''मेरे लिए भारत ए के टीम में जगह बनाना बड़ी बात थी।अगर हम रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो हमें भारत ए, दलीप ट्रॉफी या ईरानी कप के लिए चुना जाएगा। जब मुझे भारत ए टीम में शामिल किया गया तो मैं बहुत खुश था।'' इस 20 वर्षीय तेज गेंदबाज ने वर्तमान श्रृंखला में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी गति, उछाल और दबाव में यॉर्कर डालने की क्षमता से बल्लेबाजों को परेशान किया है। बराड़ ने दोनों वनडे मैचों में 15.5 ओवर में छह विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह बिल्कुल वैसा ही था जैसा रणजी में गेंदबाजी करते समय होता था। तेज गेंदबाजी करना, सटीक लेंथ पर गेंद डालना और गेंद को स्विंग कराना। मैंने भारत ए की तरफ से खेलते हुए भी ठीक वैसा ही करने की कोशिश की और उसी लाइन पर गेंद डाली।'' छह फीट पांच इंच लंबे बराड़ ने अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से बल्लेबाजों को खासा परेशान किया है।

उन्होंने कहा, ''मैं खुद पर और अपने काम पर भरोसा रखता हूं। मैं जिस तरह की गेंद भी करूं उस पर भरोसा रखता हूं। मैं इन दोनों मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता था। मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। उम्मीद है कि आगामी मैचों में मैं और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहूंगा।'' बराड़ ने इसके साथ ही कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलने से उन्हें फायदा मिला।

उन्होंने कहा, ''गुजरात टाइटंस में बहुत अच्छा माहौल है। वहां आशीष नेहरा सर, कैगीसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और इशांत शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। जाहिर है, हर खिलाड़ी खेलने का मौका चाहता है और मैं भी वहां अपने मौके का इंतजार कर रहा था। मुझे वहां सीखने का काफी मौका मिला। मैं भारत की तरफ से खेलने से बहुत खुश हूं।

रिकॉर्ड ब्रेकर स्मृति मंधाना का जलवा, टाइम ने माना उन्हें सबसे प्रभावशाली हस्ती

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्मृति मंधाना और दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा, इस महीने की शुरुआत में जारी टाइम मैगजीन की श्खेल जगत के 100 सबसे प्रभावशाली लोग 2026श की सूची में शामिल एकमात्र क्रिकेटर हैं। उनका इस सूची में शामिल होना वैश्विक क्रिकेट जगत पर उनके अहम प्रभाव को दर्शाता है। टाइम के एडिटर–एट–लार्ज चार्ली कैंपबेल ने स्मृति मंधाना की शानदार करियर उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि वह घरेलू वनडे में दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला और क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाली पहली महिला बनीं। उन्होंने उनके 17 अंतरराष्ट्रीय शतकों का भी जिक्र किया, जो महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा हैं। कैंपबेल ने अपनी लीडरशिप की उपलब्धियों पर भी ध्यान दिलाया, जिनमें 2024 और 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जिताना और 2025 में भारत की ICC विमेंस वर्ल्ड कप जीत के दौरान उप–कप्तान की भूमिका निभाना शामिल है। कैंपबेल ने ज्ड्म की वेबसाइट पर लिखा कि स्मृति मंधाना लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। मुंबई में जन्मीं बाएं हाथ की ओपनिंग बैटर, घरेलू वनडे मैच में दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला थीं। साथ ही, वे तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी हैं और 17 शतकों के साथ सबसे ज्यादा इंटरनेशनल महिला क्रिकेट शतक लगाने का संयुक्त रिकॉर्ड भी उनके नाम है। मंधाना एक कैलेंडर ईयर में 1,000 से ज्यादा वनडे इंटरनेशनल रन बनाने वाली पहली महिला भी हैं। लेकिन उन्हें अपनी टीम की जीती हुई उपलब्धियों पर सबसे ज्यादा गर्व है। उन्होंने कहा कि उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 2024 और 2026 में विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जिताया और पिछले साल ICC विमेंस वर्ल्ड कप में भारत की जीत के दौरान वह उप–कप्तान थीं, साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाए। 2024 में, मंधाना ने किसी महिला खिलाड़ी द्वारा सभी फॉर्मेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया और फिर पिछले साल अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा दृ इसी उपलब्धि की वजह से उन्हें 2025 की ठठ६ इंडियन स्पोर्ट्सवुमन चुना गया। कैंपबेल ने टेम्बा बावुमा को कुछ गिने–चुने अश्वेत दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटरों में से एक के तौर पर पहचाना, जिन पर अहम ऐतिहासिक और सामाजिक उम्मीदें टिकी थीं। उनकी अहम उपलब्धियों में 2016 में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले अश्वेत दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी बनना और 2021 में देश के पहले अश्वेत कप्तान बनना शामिल है। कैंपबेल ने बावुमा की 2025 की कप्तानी की उपलब्धियों का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारत में दक्षिण अफ्रीका को ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जिताई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में बिना कोई मैच हारे जीत दिलाई।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप में रचा नया इतिहास, बने सबसे उम्रदराज आउटफील्ड स्टार्टर

टेक्सास के ह्यूस्टन स्टेडियम में पुर्तगाल और DR कांगो के बीच फीफा वर्ल्ड कप 2026 का मैच 1–1 से ड्रॉ पर खत्म हुआ। मैच के दौरान, पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैदान पर उतरते ही एक रिकॉर्ड बना दिया। वह टूर्नामेंट के इतिहास में मैच शुरू करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए। 41 साल और 132 दिन की उम्र में, रोनाल्डो ने कनाडा के अतिबा हचिंसन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2022 के वर्ल्ड कप में क्रोएशिया के खिलाफ 39 साल और 296 दिन की उम्र में मैच शुरू किया था। रोनाल्डो टूर्नामेंट के इतिहास में छह फीफा वर्ल्ड कप में खेलने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी भी बन गए। अब वह इस रिकॉर्ड के मामले में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी जैसे खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। मैच के दौरान रोनाल्डो ने 25 बार बॉल को छुआ (टच किया) और तीन शॉट भी लगाए। उनके करियर में वर्ल्ड कप के किसी मैच की शुरुआत में यह दूसरा सबसे कम टच का आंकड़ा था। इससे बड़े टूर्नामेंट में उनके फॉर्म को लेकर चिंता और निराशा बढ़ गई है। रोनाल्डो अब किसी बड़े टूर्नामेंट में लगातार 10 मैचों से कोई गोल नहीं कर पाए हैं। मैच में जोआओ नेवेस ने छठे मिनट में शानदार हेडर से पहला गोल करके अपनी छाप छोड़ी। बाद में, क्त कांगो के योआने विसा ने भी बेहतरीन हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में पुर्तगाली खिलाड़ियों को लगा कि उन्होंने फिर से बढ़त बना ली है, जब जोआओ कैंसेलो ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण उस गोल को अमान्य करार दिया गया। बाद में, सब्स्टीट्यूट फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो के लिए मौके बनाए, लेकिन 41 वर्षीय स्ट्राइकर उन मौकों को गोल में बदलने में नाकाम रहे। आखिरी समय में दबाव बनाने के बावजूद पुर्तगाल जीत हासिल नहीं कर सका, क्योंकि DR कांगो ने डटकर मुकाबला किया और 1974 के बाद अपने पहले वर्ल्ड कप मैच में एक यादगार पॉइंट हासिल किया।

QUAD से किनारा और टैरिफ वॉर के बाद ट्रंप के बदले तेवर, व्हाइट हाउस ने दिए भारत दौरे के संकेत

भारत और अमेरिका अपने रिश्तों को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह जल्द ही भारत का दौरा करना चाहेंगे। फ्रांस में ळ7 समिट 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करते हुए अमेरिकी नेता ने कहा कि वह ष्भविष्य में कभी भारत आएंगे लेकिन उन्होंने कोई तारीख या साल नहीं बताया। अगर व्हाइट हाउस भारत दौरे की घोषणा करता है, तो 2025 में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद यह ट्रंप का पहला दौरा होगा। उनका पिछला भारत दौरा 2020 में हुआ था, जब पूरे देश में नमस्ते ट्रंप बैनर के साथ उनका स्वागत किया गया था। नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच तनाव के बावजूद, ट्रंप ने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी और कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, भारत को प्व्हाइट हाउस में एक बहुत अच्छा दोस्त मिलेगा।

ट्रंप का **QUAD** को नजरअंदाज करना: अगस्त 2025 में, राष्ट्रपति ट्रंप नई दिल्ली में होने वाले **QUAD** समिट में शामिल होने के लिए भारत आने वाले थे। लेकिन, ट्रंप ने भारत पर जो 50 प्रतिशत टैरिफ दर लगाने की घोषणा की, उससे दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया। इसके अलावा, मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था, जो ट्रंप के मुताबिक उनकी वजह से ही पूर्ण युद्ध में नहीं बदला। जहां पाकिस्तान ने भारत के साथ संघर्ष–विराम (सीजफायर) कराने में ट्रंप की भूमिका की खुलकर तारीफ की है, वहीं नई दिल्ली का कहना है कि इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। संघर्ष–विराम में वॉशिंगटन की भूमिका पर भारत के बयान और पीएम मोदी के रुख से ट्रंप नाराज हो गए थे, जिसके बाद उनका **QUAD** समिट का दौरा रद्द कर दिया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की 2025 की एक रिपोर्ट, जिसका शीर्षक श्नोबेल पुरस्कार और एक तनावपूर्ण फोन कॉलः कैसे ट्रंप–मोदी के रिश्ते बिगड़े था, के अनुसार ट्रंप ने कई वजहों से भारत का दौरा रद्द कर दिया था। लेकिन इनमें सबसे अहम वजह श्ऑपरेशन सिंदूरश और पाकिस्तान के साथ संघर्ष–विराम से जुड़ी थीय ये सभी अमेरिकी राष्ट्रपति की नोबेल शांति पुरस्कार पाने की कोशिश का हिस्सा थे। भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव की क्या वजह थी?

इसकी शुरुआत भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर (युद्धविराम) से हुई, जिसके रुकने का श्रेय ट्रंप ने खुद को दिया। केंद्र सरकार की ओर से इस बयान पर कोई प्रतिक्रिया या पुष्टि न होने के बाद, संबंधों को तब और झटका लगा जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अप्रैल 2025 में लिबरेशन डे (मुक्ति दिवस) पहल की घोषणा की और भारत पर 25% का शुल्क (लेवी) लगा दिया, साथ ही उसे टैरिफ का महाराजा भी कहा। रूस से तेल खरीदने और नई दिल्ली पर यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया गया। इस तरह भारत पर कुल शुल्क बढ़कर 50% हो गया, जिससे वह ब्राजील और चीन के साथ उन देशों की सूची में शामिल हो गया जिन पर सबसे ज्यादा शुल्क लगाया गया था।

भारत–चीन तनाव के बीच दिल्ली में अहम बैठक, Ajit Doval से मिलेंगे चीनी विदेश मंत्री वांग यी

चीनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर भारत का दौरा करेंगे। वे ब्रिक्स देशों के एनएसए और उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं बैठक में हिस्सा लेंगे। वांग यी का यह दौरा 22–23 जून को होगा। एमएएफए ने एक्स पर कहा कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर, CPC केंद्रीय समिति के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्य और विदेश मामलों के लिए केंद्रीय आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी, 22 से 23 जून तक भारत में होने वाली ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं बैठक में शामिल होंगे। वांग यी ने पिछले साल नई दिल्ली का दौरा किया था और अगस्त में स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स (विशेष प्रतिनिधियों) की 24वीं बैठक में एनएसए के साथ बातचीत की थी। एमईए के अनुसार, दोनों पक्षों ने तब यह माना था कि 23वीं SR बातचीत के बाद से भारत–चीन सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनी हुई है।

उन्होंने भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को दोहराया। यह दौरा नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा है। यह सुधार पिछले साल तियानजिन में **SCO** समिट जैसे अहम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकातों के बाद आया है। इन मुलाकातों में दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कजान में हुई पिछली मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में आई सकारात्मक गति और लगातार हो रही प्रगति का स्वागत किया था। उन्होंने फिर से दोहराया कि दोनों देश विकास में साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं, और उनके मतभेदों को विवादों में नहीं बदलना चाहिए। नेताओं के बीच बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर भारत और चीन तथा उनके 2.8 अरब लोगों के बीच स्थिर संबंध और सहयोग दोनों देशों की तरक्की और विकास के लिए जरूरी हैं। साथ ही, ये 21वीं सदी के रुझानों के अनुरूप एक बहुध्रुवीय दुनिया और बहुध्रुवीय एशिया के लिए भी आवश्यक हैं।

अब रूसं भी खरीदेगा ब्रह्मोस? भारत सप्लाई करेगा मिसाइल सिस्टम, उत्पादन बढ़ाने पर बातचीत जारी

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के प्रमुख जयतीर्थ जोशी ने गुरुवार को कहा कि रूस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को शामिल करने का इच्छुक है और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके उत्पादन को बढ़ाने पर बातचीत चल रही है। सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड द्वारा बनाए गए 100वें स्वदेशी बूस्टर को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद नागपुर में ।छप् से बात करते हुए जोशी ने कहा कि मॉस्को ने इस मिसाइल में दिलचस्पी दिखाई है, जबकि ब्रह्मोस प्रोग्राम से जुड़े उसके पहले से ही औद्योगिक साझेदार मौजूद हैं।

इस सवाल पर कि क्या रूस अपनी सेना में ब्रह्मोस को शामिल कर सकता है, जोशी ने कहा कि बातचीत चल रही है। उन्होंने यही कहा है... मेरे जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया है कि रूस की सरकार इसे लेने में दिलचस्पी रखती है, लेकिन उनके अपने पहले से तय इंडस्ट्री पार्टनर हैं। हालांकि, वे मौजूदा हालात के हिसाब से जरूरत बढ़ाना चाहते हैं। हालात ऐसे हैं कि वे इसे ले सकते हैं। हम उनसे बातचीत कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या रूस के लिए भविष्य में भारत से मिसाइलें सप्लाई की जाएंगी, तो जोशी ने संकेत दिया कि भारतीय इंडस्ट्री रूस की मौजूदा प्रोडक्शन क्षमता को बढ़ाने में भूमिका निभा सकती है। उनके पास सुविधा है, लेकिन हो सकता है कि वह सुविधा काफी न हो—उसे बढ़ाने के लिए... हम मिलकर काम करेंगेय हम काम करेंगे और इसे भारत से सप्लाई करेंगे। ये बातें ऐसे समय में कही गई हैं जब ब्रह्मोस को एक्सपोर्ट में सफलता और ऑपरेशनल तैनाती के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा ध्यान मिल रहा है। इस मिसाइल को भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन और रूस के NPO मशीनोस्ट्रोयेनिया ने मिलकर बनाया है। जोशी ने कहा कि श्सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइलश की पहचान 25 सालों के डेवलपमेंट, टेस्टिंग और ऑपरेशनल तैनाती के दौरान बनी है, जिससे संभावित खरीदारों का भरोसा बढ़ा है। मिसाइल के पहले कॉम्बैट वैलिडेशन (युद्ध में सफल परीक्षण) का जिक्र करते हुए, जोशी ने श्ऑपरेशन सिंदूरश के दौरान इसके ऑपरेशनल इस्तेमाल का हवाला दिया। उन्होंने कहा, हमने यह कर दिखाया है... आम तौर पर, हम जमीन पर टेस्ट करते हैं और जहाज वगैरह से सिम्युलेटेड टेस्ट किया जाता है। लेकिन श्ऑपरेशन सिंदूरश के दौरान लाइव टेस्ट किया गया, और यह एक ऐसी कामयाबी थी जिसके बारे में पूरा देश और दुनिया जानती है। और यह लोगों के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आम तौर पर, बनी हुई मिसाइल का लाइव हालात में टेस्ट नहीं किया जाता हैय यह अपनी तरह का पहला मामला है जब हम दुश्मन पर मिसाइल का टेस्ट कर पाए।

ब्रह्मोस प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में आया है जब वियतनाम के साथ एक्सपोर्ट को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। जोशी ने एएनआई को बताया कि डील पूरी होने से पहले बस कुछ मंजूरी मिलनी बाकी है, साथ ही पूर्वी और पश्चिमी इलाकों के कई दूसरे देशों के साथ भी बातचीत चल रही है।

मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी पर फिर ड्रोन हमला, वोलोदिमीर जेलेंस्की बोले– ये बिल्कुल सही जवाब

मॉस्को में एक ऑयल रिफाइनरी को यूक्रेन द्वारा इस हफ्ते दूसरी बार निशाना बनाए जाने के बाद वहाँ से काला धुआँ और आग की लपटें उठने लगीं। सोशल मीडिया पर हमले के वीडियो वायरल होने के बाद, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला कीव पर हाल ही में रूस द्वारा किए गए हमलों का उचित जवाब था। जेलेंस्की ने एक्स पर कहा कि यह हमारे शहरों और समुदायों पर रूस के हमलों का पूरी तरह से उचित जवाब है और रूस की युद्ध मशीन को चलाने वाली सुविधाओं के खिलाफ हमारे योद्धाओं की कार्रवाई का एक और अहम नतीजा है। मॉस्को ऑयल रिफाइनरी पर हुआ हमला रूस की युद्ध क्षमता और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका है। क्रेमलिन से सिर्फ 15 किलोमीटर दूर स्थित यह रिफाइनरी रूसी राजधानी के ईंधन इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अहम हिस्सा है। यह मॉस्को मेट्रोपॉलिटन इलाके की पेट्रोल की जरूरतों का लगभग 40% और डीजल का 50% हिस्सा सप्लाई करती है, साथ ही सैन्य इस्तेमाल के लिए एविएशन फ्यूल भी देती है। 16 जून 2026 को यूक्रेनी ड्रोनों ने कपोटन्या में मॉस्को ऑयल रिफाइनरी पर हमला किया। इस हमले से **ELOU-AVT-**6 प्राइमरी ऑयल रिफाइनिंग यूनिट को नुकसान पहुँचा, जिसके कारण रिफाइनरी को कुछ समय के लिए अपना कामकाज रोकना पड़ा।

वृद्धाश्रम में योग कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर(आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अंतर्गत कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा . वृद्धाश्रम सैय्यद अलीपुर, सुक्खीपुर, जौनपुर में योग जन जागरूकता एवं अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक जय सिंह ने वृद्धजनों,को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित योग स्वस्थ, सक्रिय एवं सम्मानजनक वृद्धावस्था का आधार है।

डिजिटल संचार को मिला नया मंच, 'सूचना प्रवाह' यूट्यूब चैनल लॉन्च

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने डिजिटल संचार को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल 'सूचना प्रवाह' का शुभारंभ किया। लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने चौनल का उद्घाटन किया।इस अवसर पर निर्माता फिल्म अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।'सूचना प्रवाह' के माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, उपलब्धियों तथा जनहितकारी कार्यक्रमों से जुड़ी प्रमाणिक और त्वरित जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। इसके अलावा विभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो और सरकारी अभियानों का भी नियमित प्रसारण किया जाएगा।सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में 'सूचना प्रवाह' सरकार और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त सेतु साबित होगा। इसके माध्यम से नागरिकों को योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों की विश्वसनीय जानकारी सरल और आकर्षक स्वरूप में उपलब्ध कराई जाएगी।अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। 'सूचना प्रवाह' के जरिए प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और शासन की उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जाएगा।विभाग के अनुसार यह यूट्यूब चौनल सरकार की उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रसार का प्रभावी मंच बनेगा तथा शासन और आमजन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करेगा।

श्रीराम जानकी मंदिर में सेवार्थ भेंट किए गए कूलर पंखे

भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं को राहत, मंदिर में बढ़ी सुविधाएं

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। नगर के प्रसिद्ध श्रीराम जानकी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवार्थ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने दो कूलर पंखे मंदिर समिति को समर्पित किए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विधि–विधान के साथ पूजन–अर्चन कर उपकरणों की स्थापना कराई गई। मंदिर के पुजारी सत्य प्रकाश शुक्ला ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन संपन्न कराया और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में कूलर और पंखों की व्यवस्था से दर्शनार्थियों को काफी राहत मिलेगी।इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि धार्मिक स्थलों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए समाज के सक्षम लोगों को भी आगे आना चाहिए। जनसेवा और धर्मसेवा दोनों ही समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा हैं।कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष नंदू गौड़, महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता, किशोरी लाल, राजकुमार मोदनवाल, शिवपूजन वर्मा, दिलीप वर्मा, रंजीत मित्तल, वीरेंद्र गौड़, मनोज तिवारी, महेश कसौधन, ज्वाला कौशल, अधिवक्ता दद्दू तिवारी, बबलू गौड़, सुरेश गोविंद फौजी, अनूप कसौधन, महावीर प्रसाद वर्मा, राममिलन चौधरी, राजू मद्धेशिया, राजू बाबा, शनि मद्धेशिया, सोनू महतो सहित मंदिर समिति के सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फर्जी मैसेज के झांसे में आकर दुकानदार से छह हजार की ठगी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बिस्कोहर, सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर कस्बे में एक दुकानदार फर्जी मैसेज के झांसे में आकर साइबर ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराई है, वहीं पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, बलरामपुर जिले के गौरा चौराहा क्षेत्र निवासी अशोक कुमार यादव बिस्कोहर में दुकान चलाते हैं। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह निजी कार्य से इटवा बाजार गए थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को अशोक का जानकार बताते हुए गलती से 35 हजार रुपये भेजने की बात कही।बाजार में भीड़भाड़ होने के कारण अशोक ने मैसेज पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया और कॉल करने वाले की बातों में आ गए। इसके बाद उन्होंने बताए गए दूसरे नंबर पर छह हजार रुपये भेज दिए।बाद में जांच करने पर पता चला कि मोबाइल पर प्राप्त 35 हजार रुपये क्रेडिट होने का मैसेज फर्जी था। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।पीड़ित अशोक कुमार यादव ने बताया कि कुछ देर बाद उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने दूसरे नंबर पर संपर्क कर भेजी गई रकम वापस करने का अनुरोध किया, लेकिन कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को 'जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट' अभियान पर जोर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट' (जेडएफडी) अभियान की समीक्षा बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित बैठक में की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने संबंधित अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विभिन्न विभागों और आम नागरिकों की सहभागिता से ही दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है।बैठक में दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान, यातायात नियमों के पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।अधिकारियों ने बताया कि 'जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट' अभियान पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। इसके तहत सड़क सुरक्षा, जागरूकता, नियमों के अनुपालन और त्वरित चिकित्सा सहायता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।बैठक में दुर्घटना के बाद घायलों को शीघ्र चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, एम्बुलेंस सेवाओं को सु.ढ़ करने तथा गोल्डन ऑवर के दौरान बेहतर उपचार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनसहभागिता को अभियान की सफलता की कुंजी बताया।

डीआईजी कारागार ने जिला जेल का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। उपमहानिरीक्षक कारागार क्षेत्रीय कार्यालय बरेली ने बुधवार को जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता, बंदियों के आवास, भोजन व्यवस्था तथा चिकित्सीय सुविधाओं की समीक्षा की गई।निरीक्षण के दौरान उपमहानिरीक्षक ने जेल में उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को संतोषजनक बताते हुए बंदियों के कल्याण से जुड़ी गतिविधियों की सराहना की।उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, दैनिक भोजन व्यवस्था तथा पुनर्वास एवं सुधारात्मक कार्यक्रमों की भी जानकारी ली। साथ ही बंदियों के पुनर्समाजीकरण के लिए संचालित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जारी रखने पर जोर दिया।इस अवसर पर जेल अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत, पति घायल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पथरा बाजार, सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली क्षेत्र के भैया गांव के पास बुधवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, सुजीत गुप्ता (34) निवासी सुमहा गांव अपनी पत्नी अनीता गुप्ता (30) के साथ लिलाडीह में आयोजित एक कार्यक्रम से बाइक द्वारा वापस घर लौट रहे थे। देर रात जब वे बांसी कोतवाली क्षेत्र के भैया गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रतार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। काफी देर तक सड़क किनारे पड़े रहने के बाद राहगीरों ने घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए संयुक्त चिकित्सालय बांसी ले गए।चिकित्सकों ने जांच के बाद अनीता गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल सुजीत गुप्ता की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

खेल विकास को लेकर जिला क्रीड़ा अधिकारी से हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों की समस्याओं के समाधान को लेकर विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारियों ने नवागत जिला क्रीड़ा अधिकारी से मुलाकात की। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई बैठक के दौरान खेलों के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।पदाधिकारियों ने जिला क्रीड़ा अधिकारी का स्वागत करते हुए जनपद में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, खेल प्रतियोगिताओं के नियमित आयोजन तथा खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें उचित मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराने की है।जिला क्रीड़ा अधिकारी ने खेल संगठनों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि खिलाड़ियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए खेल सुविधाओं के विस्तार और खेल गतिविधियों को गति देने के लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सभी खेल संगठनों से समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की।बैठक में जनपद में एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी समेत विभिन्न खेलों के विकास और आगामी खेल आयोजनों की रूपरेखा पर भी विचार–विमर्श किया गया। इस दौरान कई खेल संगठनों के पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

सरकारी भूमि घोटाले की जांच की मांग, मड़वानगर में 8 करोड़ की ग्राम समाज भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। शहर से सटे मड़वानगर की करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी एवं ग्राम समाज की भूमि में कथित भ्रष्टाचार, अवैध आवंटन और कब्जे का मामला सामने आया है। गांव के कुछ निवासियों ने गुरूवार को समाजसेवी महेन्द्र कुमार एडवोकेट के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन देकर पूरे प्रकरण की मजिस्ट्रेटी जांच कराने तथा भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोकने की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम मड़वानगर स्थित गाटा संख्या 1276 एवं 1277 की सरकारी भूमि, जिसकी बाजारू कीमत लगभग 8 करोड़ रुपये बताई गई है। तत्कालीन लेखपाल उमापति मिश्रा द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कथित रूप से अपने रिश्तेदारों एवं परिचितों के नाम दर्ज कराया गया। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पहले भूमि का पट्टा बाहरी व्यक्तियों के नाम कराया गया और बाद में विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से इसे लेखपाल के परिजनों के नाम स्थानांतरित कर दिया गया। शिकायत में कहा गया है कि गाटा संख्या 1277 की भूमि पहले काली प्रसाद नामक व्यक्ति के नाम पट्टे पर दी गई, उसके बाद पंचराम के नाम हस्तांतरित हुई और बाद में श्रीमती सीता मिश्रा तथा श्रीमती बिन्दुमती मिश्रा के नाम पंजी.त करा ली गई। आरोप है कि बिना वास्तविक निर्माण के भूमि को धारा–80 के तहत आबादी घोषित कराकर निजी स्वामित्व में परिवर्तित किया गया।इसी प्रकार गाटा संख्या 1276 की नवीन परती सरकारी भूमि को अमेठी जनपद निवासी एक व्यक्ति के नाम आवंटित किए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत कर्ताओं का कहना है कि उक्त भूमि ग्राम सचिवालय और डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क के समीप स्थित है तथा वर्तमान में उस पर भी कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है।प्रार्थना–पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित भूमि पर वर्तमान में पक्का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने आशंका व्यक्त की है कि यदि तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया गया तो सरकारी भूमि पर स्थायी कब्जा हो जाएगा, जिससे ग्राम समाज और शासन को भारी नुकसान होगा।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी, सम्बंधित अधिकारियों और राज्यपाल से पूरे मामले की उच्च स्तरीय प्रशासनिक एवं मजिस्ट्रेटी जांच कराने, संबंधित अभिलेखों की पड़ताल करने, अवैध निर्माण कार्य रोकने, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने तथा सरकारी भूमि के सभी विवादित आवंटनों को निरस्त करने की मांग की है। साथ ही शिकायतकर्ताओं और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की भी मांग की गई है। शिकायत में तत्कालीन लेखपाल उमापति मिश्रा की भूमिका, उनके परिजनों की सरकारी नियुक्तियों की वैधानिकता तथा सेवाकाल के दौरान अर्जित चल–अचल संपत्तियों की भी जांच कराने की मांग उठाई गई है।ज्ञापन देने के बाद महेन्द्र कुमार एडवोकेट, कमलेश सचान, बुद्धि प्रकाश एडवोकेट, आर.के. आरतियन, धर्मेन्द्र कुमार रतन, विनय चौधरी उर्फ दुर्गा, अजय आजाद, सरिता भारती आदि ने चेतावनी दिया कि यदि समूचे मामले की जांच कर भू–माफियाओं के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई न हुई निर्णायक आन्दोलन छेड़ा जायेगा। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से विश्वनाथ, वृजेश गौतम, मंगरू, डा. सुभाष, मातादीन, रामतेज, प्रिन्स, विनय चौधरी, संदीप, महेश कुमार, गोविन्द, लालचन्द, रामशंकर निराला, रंजीत आजाद, डा. जे.के. भार्गव, हृदय गौतम, विमलावती, अमृता, ऊषा देवी, आरती देवी, सरोज गौतम, किरन गौतम, दुर्गावती, मालती, उर्मिला देवी, विक्कीलाल, महेन्द्र चौधरी, तिलकराम गौतम, ठाकुर प्रसाद, रामदया आजाद, पट्टू वीरेन्द्र प्रताप, चन्द्र प्रकाश गौतम, के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।फिलहाल मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यदि शिकायत के आरोपों में तथ्य पाए जाते हैं तो यह मामला सरकारी भूमि के कथित दुरुपयोग और राजस्व अभिलेखों में अनियमितताओं से जुड़े बड़े प्रकरण के रूप में सामने आ सकता है।

बसपा पिछड़ा वर्ग ओबीसी की समीक्षा बैठक में सत्ता के लिये संगठन की मजबूती पर जोर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। गुरूवार को बहुजन समाज पार्टी सामाजिक भाईचारा अन्य पिछड़ा वर्ग 'ओबीसी' संगठन की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक बस्ती प्रेस क्लब सभागार में संपन्न हुई।बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्य मंडल संयोजक भीम राजभर ने आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने की रणनीति कार्यकर्ताओं के साथ साझा की। उन्होने बसपा सरकार के दौरान ओबीसी वर्ग के हित में किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुये आवाहन किया कि कार्यकर्ता बहन सुश्री मायावती के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिये बूथ स्तर पर जुट जाय।बैठक की अध्यक्षता करते हुये मुख्य मंडल संयोजक उदयभान ने बहुजन समाज पार्टी द्वारा ओबीसी समाज के विकास एवं उत्थान के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित करते हुए समाज के लोगों से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि पूर्व एमएलसी लालचंद निषाद ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक ओबीसी समाज के लोगों को बसपा से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर बहन कुमारी मायावती को उत्तर प्रदेश का पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य करें।

बैठक का संचालन जिला संयोजक एडवोकेट अनूप कुमार ने किया। उन्होंने ओबीसी समाज को बहुजन समाज पार्टी से जोड़ने के लिए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया।बैठक में प्रमुख रूप से जिला संयोजक कैसी मौर्य, अमित चौधरी, संघ प्रिय गौतम, दिनेश चौधरी, रमेश, भारत लाल निषाद, अनिल आजाद, रामचरन चौहान, सुरेंद्र कुमार आजाद, उमेश चंद्र विश्वकर्मा, सुरेंद्र कुमार, हरिशंकर चौहान, गोंड महेश चंद्रवंशी, केपी राठौर, अनिल कुमार गौतम, आशुतोष सिंह, रामलाल गौड़, बनवारी लाल कनौजिया, राम अनुज भाष्कर, हरिओम चौधरी, चौधरी राम सिंह पटेल, शिव शंकर चौधरी 'शाका', संजय मौर्य, ओम प्रकाश यादव, संजय चौधरी, संदीप प्रजापति, अमरेश चन्द्र, राजू शर्मा, चुन्नीलाल गुप्ता, रामप्रीत चौधरी, अजय राजभर, रामप्रताप चौधरी, बुद्धेश कुमार चौधरी, मिस्टर पटेल, सोनू चौधरी, ओम प्रकाश यादव, रामू राजभर, हर्षद राजभर, सुनील कुमार यादव, विष्णु यादव, अविनाश यादव, रामवृक्ष निषाद, चंद्र प्रकाश निषाद, मनजीत गोंड, राज कपूर निषाद,अजय राजभर, सुनील राजभर, सोमनाथ चौरसिया, जानकी प्रसाद, सीताराम, शिवकुमार, नागेन्द्र प्रताप, शिवम आजाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आज से फिर शुरू होंगे शुभ कार्य, बाजारों में बढ़ी रौनक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अधिकमास समाप्त होने के बाद शुक्रवार से एक बार फिर मांगलिक कार्यों की शुरुआत होने जा रही है। विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण सहित अन्य शुभ कार्यों के लिए अगले 40 दिनों तक अनुकूल समय रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार जून और जुलाई में विवाह के कई शुभ मुहूर्त उपलब्ध हैं, जबकि 25 जुलाई से देवशयनी एकादशी के साथ मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा।शुभ मुहूर्तों की शुरुआत के साथ ही जिले के प्रमुख बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। कपड़ा, ज्वेलरी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर तथा सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही में इजाफा देखा जा रहा है। शादी–विवाह की तैयारियों में जुटे परिवार खरीदारी में व्यस्त हैं।व्यापारियों को उम्मीद है कि आगामी दिनों में बाजार में कारोबार और बेहतर होगा। उनका कहना है कि पिछले कुछ सप्ताह से मांगलिक कार्यों पर रोक के कारण बाजार अपेक्षा.त शांत था, लेकिन अब विवाह और अन्य आयोजनों के चलते बिक्री बढ़ने की संभावना है। विशेषकर सोने–चांदी, कपड़ा और सजावट से जुड़े कारोबारियों में उत्साह है।ज्योतिषाचार्यों के अनुसार जून में 19, 20, 21, 22, 23, 25, 26, 27 और 29 जून तथा जुलाई में 1, 2, 3, 6, 7, 8, 11 और 14 जुलाई को विवाह के प्रमुख शुभ मुहूर्त हैं।व्यापारियों का कहना है कि मांगलिक कार्य शुरू होने से सर्राफा बाजार में भी तेजी आने लगी है। शादी–विवाह के लिए सोने–चांदी के आभूषणों की खरीदारी बढ़ रही है। वहीं घरेलू सामान, उपहार सामग्री, रेडीमेड वस्त्र और पारंपरिक परिधानों की मांग में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

लिपिक पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप, जांच में मिले अनियमितता के संकेत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। ग्रामीण अभियंत्रण सेवा (आरईएस) में तैनात एक लिपिक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में सतर्कता विभाग की जांच में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच में आय और व्यय के बीच बड़ा अंतर पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।सूत्रों के अनुसार, संबंधित लिपिक के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति बनाने की शिकायत के बाद सतर्कता अधिष्ठान गोरखपुर इकाई ने जांच की। जांच के दौरान उनकी आय, संपत्तियों और खर्च से जुड़े दस्तावेजों का परीक्षण किया गया।जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि संबंधित कर्मचारी की ज्ञात आय की तुलना में खर्च और निवेश काफी अधिक पाए गए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार आय और व्यय के बीच लगभग 37 लाख रुपये से अधिक का अंतर सामने आया है, जिसका संतोषजनक विवरण जांच एजेंसी को नहीं मिल सका।सतर्कता विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की संस्तुति की है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक प्रक्रिया अपनाई जाएगी।हालांकि, मामले में अंतिम निर्णय न्यायिक एवं विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा। फिलहाल यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वितरित किए गए टैबलेट, योजनाओं की जानकारी से लाभान्वित हुए प्रतिभागी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को डीपीआरसी परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी मनरेगा रविंद्र वीर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम में प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं किस प्रकार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकती हैं। खंड विकास अधिकारियों द्वारा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विगत 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।डीपीआरसी परिसर में एनआरएलएम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार विभिन्न उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। अधिकारियों एवं आगंतुकों ने स्टॉलों का अवलोकन करते हुए महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना की। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प सामग्री एवं स्वरोजगार से जुड़े उत्पादों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।जिला मिशन प्रबंधक एम.जी. रवि ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समूह की महिलाओं को आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर योजनाओं का लाभ पहुंचाना मिशन की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान वीडियो फिल्म के माध्यम से समूहों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम के दौरान संस्कृत विभाग के कलाकारों द्वारा करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया, जिनकी जानकारी बड़ी संख्या में आए लाभार्थियों एवं आमजन ने प्राप्त की।कार्यक्रम में समस्त खंड विकास अधिकारी, जिला मिशन प्रबंधक, एपीओ मनरेगा, सीडीपीओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, सामुदायिक कैडर, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

नौतनवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 बोरी लावारिस मटर बरामद कर कस्टम विभाग को किया सुपुर्द।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवा/महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी रोकथाम अभियान के तहत नौतनवा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 बोरी लावारिस मटर बरामद की है। बरामद मटर को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बैरिया बाजार क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने अराजी पैसिया बाबूटोला, बैरिया बाजार में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 12 बोरी मटर लावारिस अवस्था में पाई गई, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया।यह कार्रवाई बुधवार को दोपहर 12.55 बजे पुलिस अधीक्षक महराजगंज के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नौतनवा बसंत सिंह एवं थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में की गई। बरामद मटर को कस्टम अधिनियम की धारा 113 के तहत कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय नौतनवा भेज दिया गया।बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तनु दुबे, कांस्टेबल अनुज सिंह, कांस्टेबल विजयपाल सिंह तथा महिला कांस्टेबल आस्था तिवारी शामिल रहीं।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों और नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना।जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी तथा राजस्व संबंधी मामलों समेत विभिन्न शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शिकायतों की तथ्यपरक जांच कर पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्रवाई की जानकारी समय–समय पर देने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील और जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए।पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप वाले मामलों में प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर डीएम सख्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तहसील मुख्यालय पर जनसुनवाई करें और प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों को आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए, ताकि उनकी नियमित निगरानी हो सके।जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील स्तर की समस्याओं का समाधान तहसील स्तर पर तथा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, जिससे शिकायतकर्ताओं को उच्च अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को भी फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर की समस्याओं का निस्तारण ब्लॉक स्तर पर ही की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समाधान अधिकतम स्थानीय स्तर पर किया जाए। साथ ही शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने 17 से 23 जून 2026 तक चल रहे विशेष राजस्व निस्तारण अभियान की भी समीक्षा की। अभियान के तहत कुर्रा बंटवारा (धारा–116), नामांतरण (धारा–34), पैमाइश (धारा–24), मुख्यमंत्री . षक दुर्घटना कल्याण योजना तथा स्वामित्व/धारौनी योजना से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। कुल 1076 लंबित राजस्व वादों के सापेक्ष केवल 127 मामलों के निस्तारण पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी जताई और अभियान से जुड़े मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

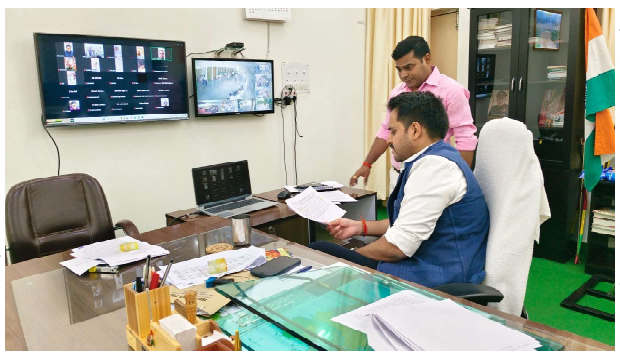

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा 19 जून को सोनभद्र दौरे पर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा 19 जून, 2026 को जनपद सोनभद्र के भ्रमण पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री प्रातः 11:30 बजे वाराणसी स्थित सर्किट हाउस से प्रस्थान कर अपरान्ह 01:00 बजे .षि भवन परिसर, मंगुराही, तेन्दू, सोनभद्र पहुंचेंगे। मा० मंत्री जी अपरान्ह 01:00 बजे से 02:20 बजे तक आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम ''12 साल विश्वास के, विकास के एवं जन कल्याण के'' के अंतर्गत प्रा.तिक खेती कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा किसानों को प्रा.तिक खेती के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम उपरांत मंत्री अपरान्ह 02:20 बजे मंगुराही, मधुपुर से प्रस्थान कर 3:20 बजे अहरौरा, मिर्जापुर पहुंचेंगे, जहां अल्प विश्राम एवं भोजन के उपरांत 03:45 बजे पुनः प्रस्थान करेंगे।

आर्थिक तंगी के चलते 45 वर्षीय व्यक्ति ने गंडक नहर में कूद कर दी जान

कुशीनगर,। जनपद के पडरौना कोतवाली थाना क्षेत्र के मिश्रौली बाजार के सामने बड़ी गंडक नहर में एक 45 वर्षीय व्यक्ति ने आर्थिक तंगी के चलते कूद कर जान दे दी। ग्रामीणों की मदद से उक्त व्यक्ति को पानी से बाहर निकाल गया और इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पडरौना कोतवाली थाना क्षेत्र के मिश्रौली बाजार के समीप बड़ी गंडक नहर में बुधवार को लगभग 4 बजे रामसूधार उर्फ छांगुर पुत्र अनिरूद्ध वर्मा उम्र 45 वर्ष निवासी आधार छपरा बाजार टोला कूद कर जान दे दी। बताया जाता है रामसूधार की माली हालत ठीक नहीं थी। लोगो की गाड़ी चलाकर परिवार का भरण– पोषण करता था। माली हालत ठीक न होने के चलते परिवार में रोज रोज कलह से तंग आकर बड़ी गंडक नहर में कूद गया।

टेट के खिलाफ शिक्षकों का शंखनाद, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

25 साल सेवा के बाद योग्यता पर सवाल क्यों? केंद्र से कानून बनाकर राहत देने की मांग

कुशीनगर। परिषदीय विद्यालयों में वर्षों से बच्चों का भविष्य गढ़ रहे शिक्षकों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। टेट की अनिवार्यता के विरोध में गुरुवार को कुशीनगर की सड़कों पर शिक्षकों का ऐसा हुजूम उमड़ा, जिसने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े एक बड़े सवाल को फिर से राष्ट्रीय बहस के केंद्र में खड़ा कर दिया है। बीएसए कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकले विशाल पैदल मार्च में हजारों शिक्षकों ने हिस्सा लिया और सरकार से पूछा कि जिन शिक्षकों ने 20 से 25 वर्षों तक विद्यालयों में अपनी सेवाएं दीं हैं, आखिर आज उनकी योग्यता पर सवाल क्यों खड़े किए जा रहे हैं। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के देशव्यापी आह्वान पर हुए इस प्रदर्शन में शिक्षकों का आक्रोश साफ दिखाई दिया। उनका कहना था कि नियुक्ति के समय उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित सभी शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संबंधी अर्हताओं को पूरा किया था। दशकों तक बच्चों को शिक्षित करने के बाद अब टेट को अनिवार्य बनाना न केवल उनके अनुभव का अपमान है, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य पर भी संकट खड़ा कर रहा है। जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे शिक्षकों ने मुख्यमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एडीएम वैभव मिश्रा को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि केंद्र सरकार मानसून सत्र में अध्यादेश अथवा कानून लाकर कार्यरत शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से मुक्त करे। संघ के मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में जिन शिक्षकों ने अपना पूरा जीवन खपा दिया, उन्हें आज फिर से पात्रता साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह केवल शिक्षकों के अधिकारों का सवाल नहीं,बल्कि उनके सम्मान और आत्मगौरव से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ किसी भी कीमत पर शिक्षकों के हितों की अनदेखी नहीं होने देगा। जिला अध्यक्ष अविनाश शुक्ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत तथ्यों और सरकारी पक्ष की कमजोरी के कारण लाखों शिक्षकों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वह तत्काल हस्तक्षेप कर दशकों से कार्यरत शिक्षकों को राहत प्रदान करे। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है।महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि देशभर में जिला मुख्यालयों पर एक साथ हुए इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य केंद्र सरकार का ध्यान शिक्षकों की इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना है।

चेयरमैन ने चिल्ड्रेन पार्क एवं ट्रैफिक पार्क निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन,

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। नगर पंचायत दुद्धी के वार्ड संख्या–6 में मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत लगभग 89.42 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चिल्ड्रेन पार्क एवं ट्रैफिक पार्क के निर्माण कार्य का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने विधिवत भूमि पूजन कर किया।इस अवसर पर चेयरमैन कमलेश मोहन ने कहा कि नगर पंचायत कार्यालय के समीप एवं टाउन क्लब के बगल में बनने वाला यह पार्क बच्चों, महिलाओं एवं आम नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। पार्क में बच्चों के मनोरंजन और खेलकूद की सुविधाओं के साथ–साथ ट्रैफिक पार्क के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी।उन्होंने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें मंदिरों का जीर्णोद्धार, तालाबों का सुंदरीकरण, अटल तिराहा का सौंदर्यीकरण तथा कई सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए नगर पंचायत लगातार प्रयासरत है।भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपा नेता सुरेंद्र अग्रहरि, दिलीप पांडेय, अमरनाथ जायसवाल, शिवशंकर प्रसाद, मनीष जायसवाल, सभासद प्रेमनारायण सिंह 'मोनू', आमेश सिंह अग्रहरि, शाहिद आलम, सोनू खान, आनंद कुमार, मोहित अग्रहरि, अन्नू, अंका कुमार, पीयूष कसेरा, संजय जायसवाल, कौशल जौहरी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लूना हॉस्पिटल की दीवारों में कैद है नर्गिस की मौत का राज और पैसों का हिसाब

कुशीनगर। जनपद के कसया कस्बे में संचालित लूना अस्पताल में बीते दिनो चिकित्सको की लापरवाही से नर्गिस खातून की हुई मौत के मामले में अब एक नया और गंभीर सवाल सामने आया है। सवाल सिर्फ ऑपरेशन, लापरवाही और इलाज का नहीं, बल्कि तीस हजार रुपये की ध नराशि का भी है जो परिजनों से ली गई और बाद में हास्पिटल प्रबंधन द्वारा आयुष्मान भारत योजना के तहत किए गए क्लेम की जानकारी सामने आने के बाद चर्चा का विषय बन गया है।

मृतका के पति मोहम्मद तसनीम कौसर ने जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एंव उच्चाधिकारियों को दिए गये शिकायती पत्र व बयान में आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी के ऑपरेशन के नाम पर लूना हास्पिटल द्वारा तीस हजार रुपये जमा कराई गई थी। लेकिन नर्गिस के मौत के बाद मृतका के मोबाइल पर आए संदेशों से उन्हें जानकारी हुई कि आयुष्मान भारत योजना के तहत भी पंजीकरण और क्लेम की प्रक्रिया पूरी की गई है।यहीं से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। परिजनों का सवाल है कि यदि नर्गिस का इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत किया जा रहा था, तो फिर उनसे तीस हजार रुपये अलग से धनराशि क्यों ली गई? और यदि धनराशि ली गई , तो उसका विवरण क्या है? आखिर इलाज किस श्रेणी में किया जा रहा था निजी भुगतान या आयुष्मान योजना के तहत?।

एक तरफ मौत का मातम, दूसरी तरफ भुगतान का सवाल— नर्गिस की मौत के बाद परिवार अभी सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि मोबाइल पर आए संदेशों ने उन्हें और चौंका दिया। शिकायतकर्ता का दावा है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का उपयोग कर आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रक्रिया पूरी की गई। ऐसे मे यदि जांच में यह आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला केवल चिकित्सकीय लापरवाही व इलाज का अभाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वयन और मरीजों से लिए जाने वाले शुल्क की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े होंगे।

आखिर पैसा किस बात का लिया गया?— जांच का सबसे अहम बिंदु अब यह भी है कि परिजनों से कितनी धनराशि ली गई?किस मद में ली गई?क्या उसकी रसीद जारी की गई?आयुष्मान योजना के तहत कितना क्लेम किया गया? क्या मरीज और परिजनों को इसकी जानकारी दी गई थी?इन सवालों के जवाब अस्पताल के वित्तीय रिकॉर्ड, आयुष्मान पोर्टल और उपचार से जुड़े दस्तावेजों में छिपे हो सकते हैं।

मौत से बड़ा बनता जा रहा है जवाबदेही का मामला— नर्गिस की मौत ने पहले ही अस्पताल की कार्यप्रणाली व लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए थे। अब आयुष्मान क्लेम और कथित रूप से लिए गए रुपये का मुद्दा सामने आने के बाद जांच का दायरा और बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग के सामने अब केवल यह पता लगाने की चुनौती नहीं है कि नर्गिस की मौत कैसे हुई, बल्कि यह भी देखना होगा कि इलाज और भुगतान की पूरी प्रक्रिया नियमों के अनुरूप थी या नहीं।

बताते चलें कि बीते एक जून को कसया निवासी नर्गिस खातून को पित्त की थैली में पथरी के ऑपरेशन के लिए लूना अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार अगले दिन ऑपरेशन होना था। शिकायत के मुताबिक दो जून की सुबह मरीज को ओटी में ले जाया गया और कुछ देर बाद उसकी हालत गंभीर बताकर दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में महिला की मौत की पुष्टि हुई। घटना के बाद अस्पताल में हंगामा हुआ, पुलिस पहुंची और परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। अब जिलाधिकारी व सीएमओ को दिए गए बयान में आयुष्मान क्लेम और कथित रूप से लिए गए रुपये का मुद्दा भी सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। इस पूरे मामले में चिकित्सकों की भूमिका की जांच अपनी जगह है, लेकिन उससे बड़ा सवाल अस्पताल प्रबंधन की जवाबदेही का है। अस्पताल में कौन ड्यूटी पर था, किसने मरीज को ओटी में भेजा, किसने रेफर करने का निर्णय लिया, किसने परिजनों को जानकारी दी और किसने आयुष्मान प्रक्रिया पूरी कराई? इन सभी सवालों का जवाब अंततः अस्पताल प्रशासन और प्रबंधन को ही देना होगा। क्योंकि नर्गिस की मौत की जांच सिर्फ एक मेडिकल केस नहीं रह गई है। यह उस व्यवस्था की जांच बन गई है, जिसमें एक मरीज अस्पताल में भर्ती होती है और कुछ घंटों बाद उसकी मौत हो जाती है और परिजन यह जानने के लिए भटकते रहते हैं कि आखिर हुआ क्या था. घिसा–पीटा सवाल अभी भी वही है। नर्गिस की मौत कैसे हुई? इसका जवाब तो जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन उससे पहले यक्ष प्रश्न यह है कि अगर सब कुछ नियमों के अनुसार हुआ था, तो फिर इतने सवाल क्यों उठ रहे हैं?।

सर्पदंश से महिला की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।घोरावल कोतवाली क्षेत्र के उभा चौकी के बभनी गांव में सांप के डसने से महिला की मौत हो गई। बुधवार देर शाम पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्हारी ग्राम पंचायत के बभनी गांव निवासी महाराजी गोंड 55 वर्ष पत्नी स्वर्गीय मोतीलाल बुधवार दोपहर अपने घर पिछले हिस्से में लिपाई पुताई कर रही थी।इसी दौरान पास में बने बिल में से निकले एक विषैले सर्प ने उसे काट लिया। परिजनों ने आसपास के चिकित्सकों को दिखाया लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजन उसे एंबुलेंस द्वारा घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए जहां डॉक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।सीएचसी से मेमो भेज कर राजस्व विभाग और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि कन्हारी ग्राम पंचायत के बभनी गांव में विषैले जीव के काटने से महिला की मौत हुई है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अल्फा का ट्रेलर जारी, अग्नि परीक्षा के लिए तैयार आलिया भट्ट, सीता बन फूकेंगी लंका, ऋतिक रोशन की एंट्री ने मचाया धमाल

अल्फा सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाली फिल्मों में से एक हैं. टीजर रिलीज के बाद से फैंस इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. मेकर्स ने उनके इस इंतजार पर विराम लगाया है और फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है. ट्रेलर का अंत फैंस के लिए एक बड़े सरप्राइज के साथ होता है. वाईआरएफ ने सोशल मीडिया पर ऐल्फा का ट्रेलर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, लड़कियां बस मजे करना चाहती हैं... बंदूकों के साथ अल्फा 3 जुलाई से सिनेमाघरों में. अल्फा ट्रेलर की शुरुआत एक बच्ची के साथ होती है जो कांच के बॉक्स में रोती हुई दिखाई दे रही है. फतेह (बॉबी देओल) ऐलान करता है, इसकी मां का नाम जानकी था, हम इसे सीता बुलाएंगे. इसके बाद आलिया भट्ट का वॉयस ओवर आता है, जो एक कहानी सुनाती है. यह कहानी फतेह की होती है. इसके बाद के सीन में बच्ची को बेरहम हत्यारी बनने की ट्रेनिंग दी जाती है, एक ऐसी हत्यारी जिसे आदेश मिलने पर टारगेट को खत्म करने के लिए तैयार किया गया है. वॉयसओवर के जरिए, आलिया फतेह को एक राक्षस बताती है जिसने एक राजकुमारी का अपहरण किया था. लेकिन रामायण की सीता के उलट, जो राम के बचाने का इंतजार करती थीं, यह सीता फतेह की लंका को खुद खत्म करने के लिए अपनी सीखी हुई हर चीजों का इस्तेमाल करती है. ट्रेलर में आलिया का यह डायलॉग सीता आज खुद लंका जलाने आई है लोगों का ध्यान खींचता है. इसके बाद कुछ एक्शन सीन दिखाई जाते हैं. आलिया फुल एक्शन मोड में नजर आती हैं. शरवरी भी इस मिशन में शामिल हो जाती है. वह स्टंट करती नजर आती है. एक सीन में उनका और आलिया का एक्शन सीन दिखाया गया है. वहीं, अनिल कपूर दोनों एजेंटों को गाइड करते हुए दिखाई देते हैं. फतेह एक नाराज एक्स–स्पाई लगता है जो देश से बदला लेना चाहता है. वह कहता है,मैं जो बना रहा हूं वो इतिहास है. इसके बाद दिखाया जाता है शरवरी और आलिया एक टीम में हो जाती है और फतेह की दुनिया का सर्वनाश करने आगे बढ़ती हैं. वहीं फतेह कहता है, इंडिया ने ऐल्फा की कद्र नहीं की, अब इंडिया ऐल्फा से डरेगा. यहां, सीता का गला फतेह के हाथों में दिखाया जाता है. ट्रेलर में वॉर और वॉर 2 के मेजर कबीर धालीवाल के तौर पर ऋतिक रोशन की एक खास झलक भी दिखाई गई है, जो आलिया और शरवरी की उनके मिशन में मदद करने के लिए आते हैं. हालांकि ट्रेलर में सिर्फ ऋतिक की आंखें ही दिखाई गई हैं, लेकिन फैंस के क्रेजी होने के लिए इतना ही काफी था. शिव रवैल के निर्देशन और आदित्य चोपड़ा के प्रोडक्शन में बनी ऐल्फा में आलिया भट्ट, शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल अहम भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म सौमिल शुक्ला और श्रीधर राघवन की स्क्रीनप्ले पर आधारित है, और इसकी कहानी उदय चोपड़ा ने लिखी है.

अल्फा यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की नई फिल्म है. इस यूनिवर्स में एक था टाइगर (2012), टाइगर जिंदा है (2017), वॉर (2019), पठान (2023), टाइगर 3 (2023) और वॉर 2 (2025) जैसी फिल्में शामिल हैं. ऐल्फा 3 जुलाई को रिलीज होगी.

टाइगर प्रिंट ड्रेस में दिशा पाटनी ने दिए दिलकश पोज

अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने स्टाइलिश लुक और खूबसूरती को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। उनकी फिटनेस के फैंस कायल हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे बोल्ड पोज

देती दिख रही हैं।

दिशा पाटनी 34 वर्ष की हो गई हैं। अपने हालिया पोस्ट में उन्होंने कुछ दिलकश फोटोज शेयर किए हैं।

दिशा टाइगर प्रिंट की वेस्टर्न ड्रेस पहने दिख रही हैं। उन्होंने अलग–अलग अंदाज में स्टाइलिश पोज दिए हैं।

दिशा पाटनी ने बिल्ली के साथ भी पोज दिए हैं। उनका यह अंदाज देख कोई उन्हें शेरनी कह रहा है तो कोई उन्हें जंगली बिल्ली बता रहा है।

कुछ नेटिजंस उनके पोस्ट पर मौनी रॉय को लेकर कमेंट कर रहे हैं और लिख रहे है, तस्वीरों में मौनी रॉय भी होनी चाहिए थीं। बता दें कि दिशा और मौनी रॉय बेस्ट फ्रेंड हैं।

दिशा के करियर की बात करें तो उन्होंने शुरुआत साल 2015 में आई तेलुगु फिल्म लोफर से की थी। इसमें उन्होंने मौनी नाम की एक लड़की का रोल निभाया था।

साल 2016 में दिशा ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म एम.एस. धोनीः द अनटॉल्ड स्टोरी थी।

मोहनलाल की दृश्यम 3 ने विदेशी बॉक्स ऑफिस लूटा, बनी मॉलीवुड की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म

मोहनलाल स्टारर दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी. ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की इस तीसरी इंस्टॉलमेंट को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया. वहीं 18 जून को ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो रही है. ऐसे में अब ये दुनिया भर के सिनेमाघरों में अपनी कमाई का सफर खत्म करने वाली है. वहीं ओवरसीज में तो फिल्म का थिएट्रिकल रन तकरीबन खत्म सा ही हो गया है. चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने ओवरसीज में कितना कलेक्शन किया है?

मोहनलाल की मलयालम क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 इंटरनेशनल लेवल पर ब्लॉकबस्टर रही है. इसने अपने थिएट्रिकल रन के दौरान मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका (यूएसए और कनाडा) और यूके (यूके–आयरलैंड) में जबरदस्त परफॉर्म किया है.

वहीं लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक मिडिल ईस्ट रीजन से इसने +6.47 मिलियन से ज़्यादा की कमाई हुई है, जोकि इंडियन करेंसी के हिसाब से 61.17 करोड़ से ज़्यादा है. नॉर्थ अमेरिका क्षेत्र से इसकी कमाई +1.97 मिलियन से ज़्यादा है जो भारतीय रुपयों में 18.61 करोड़ से ज़्यादा है. वहीं यूके में इसने +1.42 मिलियन से ज़्यादा कमाए हैं, जो भारतीय रुपयों में 13. 41 करोड़ से ज़्यादा है. कुल मिलाकर, दृश्यम 3 ने अपनी रिलीज के 26 दिनों में ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 111.7 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की है.

यह एक शानदार आंकड़ा है, जिससे यह एल2रू एम्पुरान (142.25 करोड़ रुपये) के बाद मोहनलाल की दूसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है.

दृश्यम 3 111.7 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिलहाल ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर तीसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है और यह इसी पायदान पर अपना सफर खत्म करेगी. वहीं दूसरी पोजिशन हासिल करने के लिए, इसे लोकाह चौप्टर 1 दृ चंद्रा के 119.9 करोड़ रुपये को मात देनी होगी. इसके लिए इसे 8.2 करोड़ रुपये और कमाने होंगे. लेकिन मोहनलाल की इस फिल्म का सफर लगभग खत्म हो चुका है, इसलिए लोकाह चौप्टर 1 दृ चंद्रा को पछाड़ना अब इसके लिए नामुमकिन है.

पेड्डी की कमाई में 13वें दिन आई गिरावट, मैं वापस आऊंगा–हॉन्टेड 3 डी चमकी, कंगना की फिल्म ने तोड़ा दम

वीकेंड पर दबाकर कमाई करने वाली फिल्में अक्सर वीकडेज में मंदी की मार झेलती हैं. सिनेमाघरों में मौजूद हालिया रिलीज सभी फिल्मों का भी कुछ ऐसा ही हाल है. बीते शुक्रवार को रिलीज हुई चार फिल्मों में से हॉन्टेड 3 डी और मैं वापस आउंगा ही बॉक्स ऑफिस पर ठीक परफॉर्म कर रही है. बाकी की गवर्नर और भारत भाग्य विधाता का हाल बुरा है. इन सबके बीच राम चरण की पेद्दी कमाई में गिरावट के बावजूद अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बढ़त बनाए हुए है. लेकिन वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है कमाई के लिए संघर्ष कर रही है. चलिए यहां जानते हैं मंगलवार को इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म किया है? राम चरण की पेद्दी की कमाई में वीकडेज में फिर गिरावट देखी जा रही है. बावजूद इसके ये सिनेमाघरों में मौजूद सभी फिल्मों से ज्यादा कलेक्शन कर रही है. बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को इसने 3.45 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ भारत में इसकी 13 दिनों की नेट कमाई अब 223.55 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं इम्तियाज अली निर्देशित और दिलजीत दोसांझ स्टारर फिल्म मैं वापस आऊंगा की कमाई में मंडे को गिरावट देखी गई थी और इसने 1.15 करोड़ कमाए थे. वहीं मंगलवार को इसके कलेक्शन में तेजी देखी जा रही है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को 1.65 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इसकी भारत में 5 दिनों की नेट कमाई अब 8.30 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं 12 जून को रिलीज हुई सभी फिल्मों में विक्रम भट्ट निर्देशित हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी सबसे अच्छा परफॉर्म कर रही है. हालांकि मंडे को इसकी कमाई में भी मंदी आई थी और इसने 2 करोड़ कमाए थे. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबित मंगलवार को रिलीज के 5वें दिन हॉन्टेड 3डी इकोज ऑफ द पास्ट ने 2 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 5 दिनों की भारत में नेट कमाई अब 13. 35 करोड़ रुपये हो गई है. इधर कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता बॉक्स ऑफिस पर कमाई के लिए जद्दोजहद कर रही है. मंडे टेस्ट में ये फेल हो गई थी और इसने महज 65 लाख रुपये कमाए थे. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को इस फिल्म ने 65 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ भारत भाग्य विधाता की 5 दिनों की भारत में कुल नेट कमाई अब 5.55 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं वरुण धवन स्टार और डेविड धवन निर्देशित है जवानी तो इश्क होना है भी बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से आगे बढ रही है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.35 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इसकी 12 दिनों की भारत में नेट कमाई अब 47.50 करोड़ रुपये हो गई है.

ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

हैंडबैग एक ऐसा फैशन का सामान है, जो न केवल महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि उनके लुक को भी खास बनाता है। जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका चयन सही हो और आपको संतुष्टि मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सुझाव देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑनलाइन हैंडबैग का सही चयन कर सकती हैं।

सही आकार चुनें

जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदें तो सबसे पहले उसके आकार पर ध्यान दें। यह तय करें कि आपको छोटे, मध्यम या बड़े आकार का बैग चाहिए। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के उपयोग के लिए बेहतर होते हैं, जबकि बड़े आकार के बैग यात्रा या शॉपिंग के लिए उपयुक्त होते हैं। मध्यम आकार के बैग्स ऑफिस या कॉलेज जाने के लिए अच्छे होते हैं। इस तरह आप अपनी जरूरत के हिसाब से सही आकार चुन सकती हैं।

सामग्री का चयन करें

हैंडबैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। चमड़ा, कैनवास, नायलॉन आदि अलग–अलग सामग्रियों में उपलब्ध होते हैं। चमड़े के बैग्स लंबे समय तक चलते हैं और स्टाइलिश दिखते हैं, लेकिन इनकी देखभाल ज्यादा करनी पड़ती है। कैनवास बैग्स हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि नायलॉन पानी से बचाने वाले होते हैं और बारिश में भी सुरक्षित रहते हैं। अपनी जरूरतों और पसंद के अनुसार सही सामग्री का चयन करें।

रंगों का मेल देखें

आपका हैंडबैग आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए ताकि आपका लुक पूरा लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक पहनती हैं तो काले, भूरे या बेज रंग के बैग्स अच्छे रहते हैं क्योंकि ये लगभग सभी रंगों के साथ जाते हैं, वहीं अगर आप पार्टी के लिए तैयार होती हैं तो चमकीले रंग जैसे लाल, नीला या हरा रंग का बैग चुन सकती हैं जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे।

स्टाइल पर ध्यान दें

स्टाइल भी बहुत जरूरी होता है जब बात फैशन की आती है। फ्लैप बंद, जिपर बंद या मैग्नेटिक बंद जैसे अलग–अलग स्टाइल उपलब्ध होते हैं। फ्लैप बंद बैग्स क्लासिक लुक देते हैं जबकि जिपर बंद बैग्स आधुनिक दिखते हैं। मैग्नेटिक बंद बैग्स जल्दी खोलने बंद करने में आसान होते हैं। अपने स्टाइल और सुविधा के अनुसार सही बंद स्टाइल चुनें ताकि आपका हैंड बैग न केवल उपयोगी हो बल्कि आपकी व्यक्तिगत शैली को भी दर्शाए।

ग्राहक समीक्षा पढ़ें

ऑनलाइन खरीदारी करते समय ग्राहक समीक्षा पढ़ना बहुत जरूरी है ताकि आपको उत्पाद की गुणवत्ता और प्रदर्शन का सही अंदाजा हो सके। अच्छी रेटिंग वाले उत्पादों को प्राथमिकता दें और नकारात्मक समीक्षाओं पर ध्यान दें ताकि किसी भी तरह की निराशा से बचा जा सके। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए सबसे अच्छा हैंड बैग चुन सकती हैं जो आपकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से फिट बैठेगा।